समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• जनवरी २०२३ • वर्ष ७४ • अंक ०१

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ८८वां स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर दीप प्रज्ज्वलित करते मुख्य अतिथि श्री सुजीत बोस, दमकल मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पश्चिम बंगाल सरकार, सम्मानित अतिथि श्रीमती अमला रुइया, सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, निवर्तमान अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, पूर्व अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका, राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री द्वय श्री गोपाल अग्रवाल, श्री सुदेश अग्रवाल व कोषाध्यक्ष श्री दामोदर प्रसाद विदावतका एवं अखिल भारतीय समिति के सदस्य श्री लक्ष्मण अग्रवाल।

बधाई !

मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नव निर्वाचित अध्यक्ष- श्री विजय कुमार सकलेचा

उत्तराखण्ड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नव निर्वाचित अध्यक्ष- श्री संतोष खेतान

इस अंक में :

सम्पादकीय: सम्मेलन की महत्वपूर्ण भूमिका

अध्यक्षीय: आंग्ल नव-वर्ष की शुभकामनाएँ !

रपट: राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का स्थापना दिवस समारोह, अभिनंदन समारोह

प्रादेशिक समाचार: उत्तराखंड, झारखंड, आन्ध्र प्रदेश, दिल्ली, कर्नाटक, पूर्वोत्तर

आलेख: समर्पण को समर्थन दें।

Rungta Office, Nagar Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand- 833201
Email - tmtsales@rungtasteel.com

समाज विकास

◆ जनवरी २०२३ ◆ वर्ष ७४ ◆ अंक ०१
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** सम्मेलन की महत्वपूर्ण भूमिका	६
● **अध्यक्षीय : गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** आंग्ल नव-वर्ष की शुभकामनाएँ!	७
● **रपट –** राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का स्थापना दिवस समारोह, अभिनंदन समारोह	८ ९-१३
● **प्रादेशिक समाचार** उत्तराखंड, झारखंड, आन्ध्र प्रदेश, दिल्ली, कर्नाटक, पूर्वोत्तर	१५-२२
● **आलेख** समर्पण को समर्थन दें – भानीराम सुरेका मर्यादा – प्रेमलता खण्डेलवाल	२५ २६
● **समाचार सार** राजस्थान प्रवासी के लिए कृत संकल्पित पूर्व राज्यपाल पं. केशरीनाथ त्रिपाठी को श्रद्धांजलि	२७ २८
● **देव-स्तुति :** डॉ. जुगल किशोर सर्राफ	२९

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९
पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.in

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **सम्पादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

"इनसे मिलिए:" यह है राजलदेसर तेरापंथ समाज के प्रवासी उद्योगपति सूरजमल घोषल की पौत्री व निर्मल घोषल की पुत्री "खुशबू जैन जिसने देश सेवा हेतु सेना को चुना" और वर्तमान में इंडो-चाइना बॉर्डर पर तवांग, अरुणाचल प्रदेश में लेफ्टिनेंट के पद पर कार्यरत है।

"खुशबू को बधाई और उज्ज्वल भविष्य की ढेर सारी शुभकामनाएं"

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट
हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

ESTD. 1935 Telephone : +91-33-40044089 Website : marwarisammelan.in E-mail : aimf1935@gmail.com

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
ALL INDIA MARWARI FEDERATION

(Regd. under W.B. Societies act XXVI of 1961)
४बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला), ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता-७०० ०१७
4B, Duckback House (4th Floor), 41, Shakespeare Sarani, Kolkata - 700 017

-: प्रमुख उद्देश्य :-
समाज सुधार, समरसता, राजनैतिक चेतना, सामाजिक उत्थान एवं राष्ट्रीय एकता

राष्ट्रीय अध्यक्ष
गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
094315 82989

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष
संतोष सराफ
098300 21319

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
भानीराम सुरेका
093311 13332
पवन कुमार गोयनका
093125 09329
पवन कुमार सुरेका
099340 60161
अशोक कुमार जालान
094375 79833
डॉ. श्याम सुंदर हरलालका
070023 27155
विजय कुमार लोहिया
98400 24781

राष्ट्रीय महामंत्री
संजय कुमार हरलालका
098041 54115

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री
गोपाल अग्रवाल
093310 16950
सुदेश अग्रवाल
093311 45291

राष्ट्रीय संगठन मंत्री
बसंत कुमार मित्तल
077818 11101

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
दामोदर प्रसाद बिदावतका
093310 15088

-: प्रादेशिक शाखा सम्मेलन :-
बिहार, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, उत्कल, पूर्वोत्तर, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, उत्तराखण्ड, तमिलनाडु, गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना एवं केरल

अ.भा.मा.स./40/2022-23 दिनांक: 11.01.2023

सभी प्रादेशिक अध्यक्षों / महामंत्रियों के सादर ध्यानार्थ

राष्ट्रीय अध्यक्ष का निर्वाचन - चुनाव अधिकारी का मनोनयन

महोदय,

सादर अभिवादन।

सर्वप्रथम अंग्रेजी नववर्ष की आपको तथा प्रादेशिक सम्मेलन के सभी सदस्यों को शुभकामनाएं।

जैसा कि आपको विदित है, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की 18 दिसंबर 2022 को रायपुर में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से एडवोकेट श्री नंदलाल सिंघानिया को चुनाव अधिकारी मनोनीत किया गया, जिसके लिए बैठक में उन्होंने अपनी सहमति भी प्रदान की, साथ ही सुचारू रूप से चुनाव सम्पन्न करवाने हेतु सहायक चुनाव अधिकारियों की मांग भी की। अत: उनसे सलाह-परामर्श एवं सहमति से श्री प्रदीप जीवराजका (एडवोकेट), श्री केदार नाथ गुप्ता एवं श्री विजय डोकानिया (सभी कोलकाता) को सहायक चुनाव अधिकारी मनोनीत किया गया है।

श्री सिंघानिया का सम्पर्क सूत्र निम्नवत है।

Sri Nandlal Singhania, Advocate
M/s. Singhania & Co.
7B, Kiran Shankar Roy Road
Kolkata -700001
Cell : 9831681947
Email: nlsinghania44@gmail.com

चुनाव सम्बंधी आगामी सूचना अब चुनाव अधिकारी श्री सिंघानिया आपको प्रेषित करेंगे।

पुन: शुभकामनाओं सहित-

भवदीय

गोवर्धन प्र. गाड़ोदिया

(गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया)
राष्ट्रीय अध्यक्ष

प्रतिलिपि-
1. सभी राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण एवं राष्ट्रीय महामंत्री
2. चुनाव अधिकारी एवं सहायक चुनाव अधिकारीगण

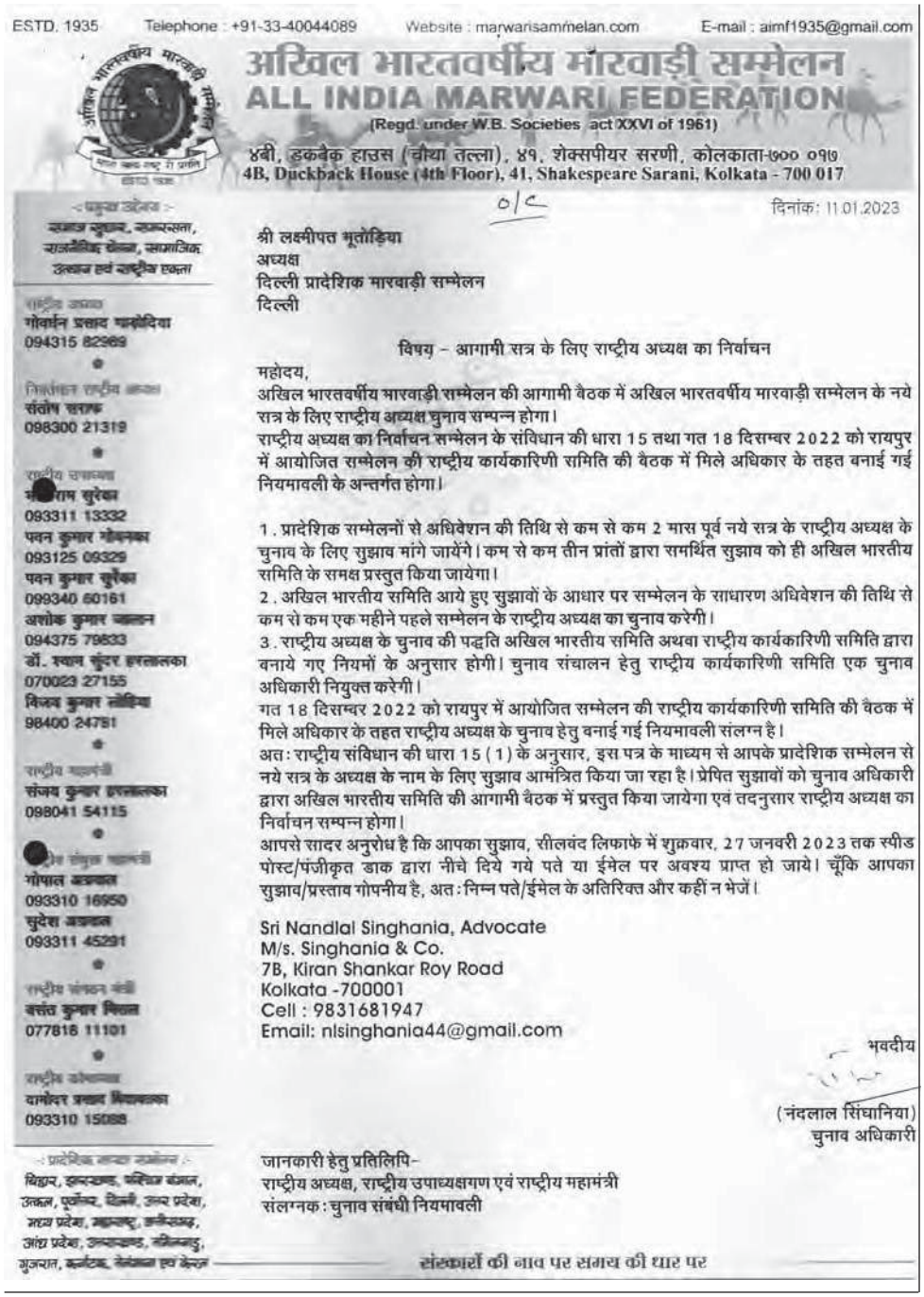

ESTD. 1935 Telephone : +91-33-40044089 Website : marwarisammelan.com E-mail : aimf1935@gmail.com

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
ALL INDIA MARWARI FEDERATION
(Regd. under W.B. Societies act XXVI of 1961)
४बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला), ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता-७०० ०१७
4B, Duckback House (4th Floor), 41, Shakespeare Sarani, Kolkata - 700 017

दिनांक: 11.01.2023

श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया
अध्यक्ष
दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन
दिल्ली

विषय – आगामी सत्र के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष का निर्वाचन

महोदय,
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की आगामी बैठक में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के नये सत्र के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव सम्पन्न होगा।
राष्ट्रीय अध्यक्ष का निर्वाचन सम्मेलन के संविधान की धारा 15 तथा गत 18 दिसम्बर 2022 को रायपुर में आयोजित सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में मिले अधिकार के तहत बनाई गई नियमावली के अन्तर्गत होगा।

1. प्रादेशिक सम्मेलनों से अधिवेशन की तिथि से कम से कम 2 मास पूर्व नये सत्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए सुझाव मांगे जायेंगे। कम से कम तीन प्रांतों द्वारा समर्थित सुझाव को ही अखिल भारतीय समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।
2. अखिल भारतीय समिति आये हुए सुझावों के आधार पर सम्मेलन के साधारण अधिवेशन की तिथि से कम से कम एक महीने पहले सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव करेगी।
3. राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की पद्धति अखिल भारतीय समिति अथवा राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति द्वारा बनाये गए नियमों के अनुसार होगी। चुनाव संचालन हेतु राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति एक चुनाव अधिकारी नियुक्त करेगी।
गत 18 दिसम्बर 2022 को रायपुर में आयोजित सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में मिले अधिकार के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव हेतु बनाई गई नियमावली संलग्न है।
अतः राष्ट्रीय संविधान की धारा 15 (1) के अनुसार, इस पत्र के माध्यम से आपके प्रादेशिक सम्मेलन से नये सत्र के अध्यक्ष के नाम के लिए सुझाव आमंत्रित किया जा रहा है। प्रेषित सुझावों को चुनाव अधिकारी द्वारा अखिल भारतीय समिति की आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जायेगा एवं तदनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष का निर्वाचन सम्पन्न होगा।
आपसे सादर अनुरोध है कि आपका सुझाव, सीलबंद लिफाफे में शुक्रवार, 27 जनवरी 2023 तक स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक द्वारा नीचे दिये गये पते या ईमेल पर अवश्य प्राप्त हो जाये। चूँकि आपका सुझाव/प्रस्ताव गोपनीय है, अतः निम्न पते/ईमेल के अतिरिक्त और कहीं न भेजें।

Sri Nandlal Singhania, Advocate
M/s. Singhania & Co.
7B, Kiran Shankar Roy Road
Kolkata -700001
Cell : 9831681947
Email: nlsinghania44@gmail.com

भवदीय

(नंदलाल सिंघानिया)
चुनाव अधिकारी

जानकारी हेतु प्रतिलिपि-
राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण एवं राष्ट्रीय महामंत्री
संलग्नक : चुनाव संबंधी नियमावली

संस्कारों की नाव पर समय की धार पर

राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव हेतु नियमावली

(१८ दिसम्बर २०२२ को रायपुर (छत्तीसगढ़) में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में प्रदत्त अधिकारों के तहत)

१. प्रत्येक प्रांतीय सम्मेलन एक ही व्यक्ति का नाम प्रस्तावित कर सकेगा, जो कि सम्मेलन का सदस्य होना चाहिए। एक से अधिक नाम प्राप्त होने पर उस प्रदेश से आये हुए नामों पर विचार नहीं किया जाएगा।
२. प्रांतीय अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित प्रस्ताव/सुझाव ही मान्य होगा।
३. प्रस्ताव/सुझाव पहुंचने की अंतिम तिथि शुक्रवार, २७ जनवरी २०२३ है। उसके बाद आये हुए नामों पर विचार नहीं किया जायेगा।
४. शनिवार, २८ जनवरी २०२३ को प्रांतों द्वारा सीलबंद लिफाफे/ईमेल में प्रेषित प्रस्ताव/सुझाव उपस्थित सहायक चुनाव अधिकारीगणों के साथ मिलकर खोले जायेंगे। तत्पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के प्रार्थी/प्रार्थियो के नामों की घोषणा की जायेगी, जिसे व्हाट्सअप/मेल/पत्र द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री तथा प्रांतीय अध्यक्ष एवं महामंत्री को सूचित किया जायेगा।
५. मतदान की स्थिति में उपस्थित अखिल भारतीय समिति के सदस्य ही राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के निर्वाचन में मतदान कर सकेंगे। वे मतदान स्थल पर अपना फोटोयुक्त पहचान पत्र यथा पैन कार्ड, वोटर पहचान पत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट, ड्राईविंग लाइसेंस में से कोई एक प्रस्तुत कर मतदान कर सकेंगे। एक सदस्य को एक ही वोट देने का अधिकार होगा। मतदान की प्रक्रिया बैलेट पेपर के माध्यम से सम्पन्न होगी।
६. जिस सदस्य का अखिल भारतीय समिति के वर्तमान सत्र का सदस्यता शुल्क (जो प्रति सत्र ५०० रुपया है) बकाया होगा, वे उसका भुगतान करके ही मतदान में भाग ले सकेंगे। यह शुल्क सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय में कभी भी जमा कराया जा सकता है। साथ ही, मतदानस्थल पर भी यह शुल्क जमा कराने की सुविधा उपलब्ध होगी।

(नंदलाल सिंघानिया)
चुनाव अधिकारी

सम्मेलन की महत्वपूर्ण भूमिका

किसी भी व्यक्ति या समाज की स्थिति सदा एक जैसी नहीं रहती। सैकड़ों वर्ष तक हमारे पूर्वजों का ध्यान सिर्फ व्यवसाय पर ही केन्द्रित था। धनोपार्जन में सफलता मिली, पर जीवन के अन्य क्षेत्रों में जैसे – शिक्षा, कला, संस्कृति में हम पिछड़ गये। सनैः-सनैः बीसवीं शताब्दी में उस परिस्थिति में बदलाव आने लगा। समाज मन्दिर, धर्मशाला, कूएं, जलक्षेत्र आदि बनवाने में सदैव तत्परता से दान देता रहा, पर इससे समाज का सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त नहीं हुआ। इसके लिये समाज के प्रत्येक बच्चे को शिक्षित, सुसंस्कृत, चरित्रवान एवं स्वावलम्बी बनने में हमें मदद करना होगा। रोटी, कपड़ा, मकान के साथ साथ शिक्षा, स्वास्थ्य अब मौलिक आवश्यकताएं हैं।

हम सभी जानते हैं कि हमारे चारों ओर परिवर्तन निरंतर घटित हो रहा है। परिस्थितियाँ कभी भी स्थिर नहीं रहती। निरंतर परिवर्तन ही स्थिरता है। अतएव समाज में भी निरंतर परिवर्तन हो रहा है। जब यह परिवर्तन मंथन के उपरांत किसी उच्च आदर्श के लिये सचेतन प्रयासों से सम्पन्न होता है तो समाज को उसका पूरा लाभ मिलता है। जब आंधी आती है तो प्रकृति में जो भी जीर्ण-शीर्ण रहता है, वह हवा के साथ बह जाता है। उन्नीसवीं शताब्दी एवं बीसवीं शताब्दी के प्रथम में समाज में नारियों को भयावह स्थिति से गुजरना पड़ा। पर्दा प्रथा, बाल विवाह के कारण उनके जीवन में लगातार अस्थिरता का बोध रहता। अगर बालिका को अपना नाम लिखना आ गया तो उसका विद्यालय से नाम हटवा दिया जाता था। माताएँ यह कहती कि उसे पराये घर जाना है, ज्यादा पढ़ लिखकर क्या करेगी। कम उम्र से ही उसे घरेलू कार्यों में लगा दिया जाता। कदम कदम पर उन्हें यह अहसास करवाया जाता कि उसे तो दूसरे घर जाना है। विधवा विवाह वर्जित था। छोटी-बड़ी उम्र में विधवा हुए बालिकाओं, महिलाओं को अभिसप्त जीवन जीने के लिये बाध्य किया जाता था। इस प्रकार की परिस्थिति से उबरने के लिये समाज के नेतृत्व ने पुरजोर प्रयास किया। यथास्थिति के समर्थक उस समय कहते कि सैकड़ों वर्षों की परम्परा कैसे समाप्त हो सकती है। नेतृत्व की दूरदर्शिता, समर्पित कार्यकर्ताओं के सतत प्रयासों से समाज में आवश्यक परिवर्तन घटित किया गया। पहले भी रूढिवादी समर्थक कहने लगे कि आंधी को कौन रोक सकता है। उनके किले ध्वस्त हो गए। समाज की मातृशक्ति ने राहत की सांस ली। शिक्षा, संस्कृति, कला के माध्यम से उनके व्यक्तित्व का विकास संभव हुआ। उसी का फल आज हम देख रहे है कि सभी क्षेत्रो में समाज की नारियाँ अपना परचम लहरा रही है। उन्होंने शायर के इस तमन्ना को चरितार्थ किया –

तिरे माथे पे ये आंचल बहुत खूब है लेकिन
तू उस आँचल से इक परचम बना लेती तो अच्छा था।

अनेक क्षेत्रों में महिलायें, पुरुषों से आगे भी निकल रही है। समाज के अनेकों रुचिवादी परम्पारायें समाप्त हुई है। पर कहीं-कहीं अतिशयोक्ति भी हुई है। समाज मे स्वछंदता का कही कही बोल-बाला देखा जा रहा है। हम अपने वेष-भूषा, संस्कार संस्कृति भाषा से कटते जा रहे है। नई-नई विसंगतियाँ पनप रहे हैं। दिखावा, आडम्बर नये नये शिखर छू रहा है। सब जगह धन का बोल-बाला हो रहा है।

शादी-विवाह, जो कि एक पवित्र संस्कार का अनुष्ठान है, अब प्रदर्शन एवं आडम्बर के हाथे चढ़ गया है। हालत यह है कि विवाह समारोह में संस्कार को छोड़कर सब-कुछ घटित होता है। पिछले कुछ वर्षो से प्री-वेडिंग सूट के नाम पर विवाह के पहले होनेवाले वर-वधु स्वच्छंदता पूर्वक कैमरामैन के सामने अपने निकटता एवं प्रेम का नग्न प्रदर्शन करने मे नहीं हिचकिचाते। बाद में शान के साथ परिवार एवं आमंत्रित अतिथियों के सामने इनका गर्व के साथ प्रदर्शन होता है। आमंत्रण पत्र को छपाने पर लाखों रुपया खर्च किया जाता है। हर्ष का विषय है कि आमंत्रण पत्र अब इलेक्ट्रोनिक माध्यम में भेजने का रिवाज चल निकला है। बारात के अवसर पर बैंडवाजा का रिवाज हमारे पूर्वजों ने दशकों पहले बंद करवा दिया था, अब फिर वह धड़ल्ले के साथ प्रारम्भ हो गया है। वधु के दरवाजे के सामने वर के नौजवान तथाकथित मित्र मंडली घटों तरह तरह की हरकतें करते नजर आते हैं। घर के बड़े-बुजुर्ग मूकदर्शक बन खड़े रहते हैं। वरमाला, जो कि वर-वधु के पवित्र बंधन मे आबद्ध होने का द्योतक है, अब इवेंट मैनेजमेंट के हाथे चढ़ गया है। फिल्मी अंदाज में तरह-तरह के नाटकीय तरीकों से वरमाला सम्पन्न किया जाता है। विवाह मंडप में कम-से-कम समय में पूरी कार्यवाही सम्पन्न कर दी जाती है। इस प्रकार विवाह संस्कार को एक तमाशे में परिवर्तित कर दिया जाता है। इस अवसर पर खाने के लिये ८० से ९० आइटम रखे जाते है। इन समारोहों में पोशाक एवं अन्य सभी प्रकार के सजावटों में अनियंत्रित खर्च किये जाते है।

इस प्रकार हम समझ सकते है कि विवाह समारोह समाज में पनप रहे नये-नये विसंगतियों एवं कुप्रथा के प्रतीक बनते जा रहे हैं।

शिव कुमार लोहिया

आंग्ल नव-वर्ष की शुभकामनाएँ!

– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

सभी समाज बंधुओं को नववर्ष २०२३ की अनेकानेक शुभकामनाएं। वर्तमान सत्र अपने अंतिम चरण में है। रायपुर में आयोजित कार्यकारिणी समिति की बैठक में अगले सत्र के लिए चुनाव अधिकारी नियुक्त कर दिये गये है। पिछले महीने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन गोयनका के अथक प्रयासों एवं निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री कमलेश नाहटा के सहयोग से मध्य प्रदेश प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन का गठन समाज के प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता श्री विजय कुमार सकलेचा के नेतृत्व में सुसंपन्न हुआ। यह एक अत्यंत हर्ष का विषय है। इसके लिये राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन गोयनका विशेष धन्यवाद के पात्र है। श्री सकलेचा एवं उनकी पूरी टीम को मैं शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ। उत्तराखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री संतोष खेतान एवं उनकी पूरी टीम को मैं बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ। बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नये अध्यक्ष के रूप में श्री जुगल किशोर अग्रवाल को भी हार्दिक बधाई। सम्मेलन के स्थापना दिवस के अवसर पर कोलकाता के भव्य जीडी बिरला सभागार में आयोजित समारोह में विदुषी महिला श्रीमती अमला रुइया को मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान से विभूषित किया गया। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री एवं लोकप्रिय राजनेता श्री सुजीत बोस विशेष रूप से उपस्थित थे।

बंधुओं, पिछले वर्षों में सम्मेलन में संगठन को मजबूत करने की दिशा में भरपूर प्रयास किये गये एवं इसके नतीजे भी दिखायी दे रहे है। प्रांतीय सम्मेलन की गतिविधियों में भी बढ़ोतरी हुई हैं। सभी प्रांतीय अध्यक्ष अपने-अपने तरीके से समाज विकास के कार्य में संलग्न है जो कि परम हर्ष का विषय है। इसी कारण पिछली दो कार्यकारिणी समिति की बैठक बंगलौर एवं रायपुर एवं अखिल भारतीय समिति की बैठक गुवाहाटी में आयोजित करना संभव हो सका।

हमारे पूर्वजों की दूरदर्शिता, लगन, निष्ठा के फलस्वरूप सम्मेलन निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। देश के कोने कोने में फैले हुये समाज बंधुओं की एकमात्र राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था के रूप से पिछले ८८ वर्षों से अपनी अहर्निष सेवाए प्रदान कर रही है। सम्मेलन का समाज के प्रति अवदान अतुलनीय है। परंतु इस संबंध में वर्तमान पीढ़ी अनभिज्ञ है। यह हमारा दायित्व बनता है कि सम्मेलन के अवदानों की जानकारी नई पीढ़ी तक पहुंचाएं। सम्मेलन ने जो भी कुछ हासिल किया है उसके पीछे उत्तम सोच, समर्पण, संघर्ष, लगन, निष्ठा का समावेश हुआ है। इस प्रकार के उपादानों के द्वारा हम कोई भी लक्ष्य प्राप्त कर सकते है। समाज ने अनेक कुरीतियों से निजात पाई। समाज परिमार्जित हुआ, विकसित हुआ। शनैः शनैः नई-नई विसंगतियां पनपने लगी। इसके कारण समाज ने पैसा तो कमाया पर हम अपने संस्कार, संस्कृति से विलग होते गये। संस्कार के बिना सुख सुविधा पतन का कारण बनती है। आज यही हो रहा है। इस कारण आज प्रत्येक संबंध में तनाव पैदा हो रहे है। कहा जाता है कि पहले पड़ोसी भी घर का ही अंग होता था। अब तो घर में ही पड़ोसी बन रहे है। वृद्धों की अवहेलना अब व्यापक स्वरूप ले रहा है। मूल बात यह है कि हमें अपने जड़ों से जुड़ना होगा। अपनी संस्कार संस्कृति की ओर मुड़ना होगा। आदमी सब कुछ बन जाता है पर मानव बनना उसके लिये सबसे कठिन कार्य होगा। धन ही सफलता का मापदंड बन गया है। यह समझने की आवश्यकता है कि धन से हम सुख सुविधा प्राप्त कर सकते है पर चैन एवं शांति नहीं खरीद सकते। प्राकृतिक संपदा भी आज भावी पीढ़ी के लिये बचा के रखना अत्यावश्यक हो गया है। इन सब बातों को सम्मेलन के स्तर पर मंथन करने की आवश्यकता है। सम्मेलन के अनेक प्रांतों से अनेकों सेवा कार्य किये जा रहे हैं। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आनेवालों वर्षों में सम्मेलन सफलता के नये-नये शिखर छूएगा। समाज सेवा एवं समाज सुधार के उचित मिश्रण से हम समाज विकास के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। जनवरी महीने में हम १२ जनवरी को स्वामी विवेकानंद जयंती मनायेंगे। स्वामी विवेकानंद भारतीय एकता के प्रतीक, महान विचारक, संत, योद्धा थे, जिन्होंने पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति का प्रचार किया। उन्होंने सर्वप्रथम शिक्षा का प्रथम उद्देश्य, मानव निर्माण घोषित किया। इस पावन अवसर पर आप सबों को शुभकामनाएं। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती २३ जनवरी को है। देश की स्वाधीनता के लिए इन्होंने सबकुछ बलिदान कर दिया तथा भारतीय भू भाग पर तिरंगा लहरा कर बलिदानियों का माथा गर्व से ऊँचा कर दिया। ऐसे महामानव को शत-शत नमन। माँ शारदा का पूजन बसंत पंचमी गणतंत्र दिवस के दिवस पर ही हो रहा है। दोनों ही पर्व हमारे लिए पूजनीय है। इस तरह हम गणतंत्र दिवस एवं वसंत पंचमी का भी पालन करेंगे। सभी समाज बंधुओं को गणतंत्र दिवस एवं बसंत पंचमी की अग्रिम शुभकामनाएँ।

जय समाज, जय राष्ट्र।

पूर्वजों ने अत्यंत सोच समझ कर रखीं सम्मेलन की नींव : गाड़ोदिया

सम्मेलन की नींव हमारे पूर्वजों ने अत्यंत सोच समझ कर रखीं है। जिसका नतीजा है कि हम कुरीतियों, बुराइयों पर निरंतर काम कर पा रहे है। पहले की बुराइयों तो सीमित थी पर वर्तमान में बुराइयों की कोई सीमा नहीं है, इस पर चिंतित होना लाजमी है। हमें ज्यादा से ज्यादा इस दिशा में काम करने की जरूरत है। उक्त कथन है अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया के, जो सम्मेलन के डक बैंक हाउस स्थित सभागार में आयोजित राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक को सम्बोधित करते हुए बोल रहे थे। श्री गाड़ोदिया ने इस मौके पर २५ दिसंबर को होने वाले सम्मेलन के ८८वें स्थापना दिवस को सफल बनाने के लिए सबसे निवेदन किया।

मौके पर राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका ने मध्य प्रदेश में प्रान्त के पुनर्गठन तथा पंजाब व हिमाचल में प्रादेशिक शाखा खोलने की दिशा में चेष्टा की जानकारी दी। संगठन विस्तार के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान सत्र में अब तक पूरे देश में ४३ विशिष्ट संरक्षक, १७ संरक्षक व २५५२ आजीवन सदस्य बने हैं। राष्ट्रीय महामंत्री ने सम्मेलन विगत के कार्य-कलापों का संक्षिप्त विवरण भी प्रस्तुत किया। बैठक में सम्मेलन के निवर्तमान अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका, संयुक्त महामंत्री सुदेश अग्रवाल, पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष नंद किशोर अग्रवाल, कैलाशपति तोदी, पवन जालान, नंदलाल सिंघानिया, राधा किशन सफ्फड़, सांवरमल शर्मा, संजय कुमार भरतिया, विनय कुमार सराफ, नवीन कुमार गोपालिका, संदीप सेकसरिया ने संगठन विस्तार पर अपने-अपने वक्तव्य रखे, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री गोपाल अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का स्थापना दिवस समारोह

सभी क्षेत्रों में मारवाड़ी समाज का है अतुलनीय योगदान : सुजीत बोस

संस्था बनाना आसान है पर उसे लगातार चलाना बहुत कठिन काम है। मारवाड़ी सम्मेलन देश के २३ राज्यों तक फैला है तथा इसकी ३०० से ज्यादा ग्रामीण शाखाएँ है। इससे यह साबित होता है कि सम्मेलन की जड़ काफी मजबूत है। तभी ८७ वर्षों से यह संस्था निरन्तर अपने ध्येय पथ की ओर अग्रसर है। सम्मेलन के पचास हजार सदस्य से ज्यादा हैं यह कोई मामूली बात नहीं है। उक्त बातें बालीगंज स्थित जी.डी. बिरला सभागार में आयोजित अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ८८वें स्थापना दिवस समारोह का उद्घाट न करने के पश्चात बतौर मुख्य अतिथि प.बंगाल के माननीय दमकल मंत्री श्री सुजीत बोस ने कहीं। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज ने कोलकाता को बहुत कुछ दिया है, उसे हम अंगुलियों पर गिना नहीं सकते है। अस्पताल, स्कूल, शादी भवन व आजादी के आंदोलन में भी मारवाड़ियों का अप्रतिम योगदान रहा है। इस समाज के लिए मुझसे जो कुछ बन पड़ेगा, मैं हमेशा सहयोग के लिए आपके पास खड़ा रहूँगा। मंत्री महोदय ने सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका से आग्रह किया है वे उन्हें मारवाड़ी भाषा सिखाएं ताकि अगली बार वे मारवाड़ी भाषा में भी कुछ बातें रख सकें।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने ८७ साल पहले एक पौधा लगाया जो आज पूरे भारत में बरगद की तरह फैल गया है। नींव मजबूत होती है तभी तो भवन भी भव्य बनता है। समाज सुधार के कार्य निरंतर चल रहे हैं, लेकिन अभी भी कई बुराइयां आ गई हैं। तलाक, मद्यपान, प्री वेडिंग शूट, संयुक्त परिवार में विघटन के साथ विवाह संस्कार में भी कई बुराइयां आ गयी है। इससे डरने या घबराने की जरूरत नहीं है। बस हमें संस्कार की नांव पर चल कर इस पर नियंत्रण पाना है। संस्कार बनाए रखेंगे तो बुराइयां सीमित हो जायेंगी। श्री गाड़ोदिया ने कहा कि हम राणा प्रताप व भामाशाह के वंशज है। हमें विपरीत परिस्थितियों को भी अनुकूल बनाना आता है।

समारोह के स्वागताध्यक्ष तथा निवर्तमान अध्यक्ष श्री संतोष ने स्वागत वक्तव्य रखते हुए कहा कि मनुष्य के जीने के लिये ७ चीजों की जरूरत होती है, जैसे कि रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय एवं सुरक्षा, जिसे हम समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना चाहते हैं। हमारा समाज हमेशा सेवाभावी रहा है। इसी संदर्भ में मंच पर विराजमान समाज सेविका श्री अमला जी रुअया का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आपने हमारे पूर्वज के सपनों को साकार करने की चेष्टा की है। जैसे कि राजस्थान यानि रेगिस्तान में जल संग्रह एवं उपलब्ध कराने का कार्य बहुत बड़े रूप में किया है। ये हमारे समाज की ब्राड एंबेसडर हैं।

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष तथा पुरस्कार उपसमिति के चेयरमैन पद्मश्री श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने कहा कि मारवाड़ी जहां भी जाते हैं दूध में चौनी की तरह घुल-मिल जाते है। जहां रहते है वहां की उन्नति ही हमारी उन्नति है। हमें खुशी है कि विश्व की आबादी बूढ़ी हो रही है पर भारत में अभी भी ६५ प्रतिशत आबादी युवाओं की है।

COMPLETE ELECTRICAL SOLUTION
ELECTRICAL WIRES
FANS AND LIGHTS
LT PANEL, CABLE TRAY AND TRANSFORMER
WE MANUFACTURE
POWER TRANSFORMER
DISTRIBUTION TRANSFORMER
LT ELECTRICAL PANEL
PERFORATED CABLE TRAY
LADDER-TYPE CABLE TRAY
GARODIA ENTERPRISES
AARNAV POWERTECH
MARKET ROAD EAST, UPPER BAZAR
RANCHI - 834 001, JHARKHAND
www.aarnavpowertech.com
garodia@garodiagroup.com
0651-2205996

हमें इन्हें प्रत्साहित करना चाहिए, ताकि समाज आगे बढ़े। व्यापार करना और समाज में दान देना हमारे खून में है। हमारे बच्चे जॉब नहीं खोजें, बल्कि जॉब दें।

इस मौके पर राजस्थान में जल संचयन एवं संरक्षण के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान तथा अवदान के माध्यम से समाज का नाम रोशन करने वाली समाजसेविका तथा आकार चैरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्षा श्रीमती अमला रुइया को सम्मेलन के सर्वोच्च "मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान-२०२१" (सौजन्य रामनिवास-आशारानी लाखोटिया) प्रदान किया गया। सम्मेलन के तहत दमकल मंत्री श्री सुजीत बोस, राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, पुरस्कार चयन कमेटी के चैयरमैन पद्मश्री प्रह्लादराय अगरवाला, श्री सतीश लाखोटिया, श्रीमती कमल लाखोटिया, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री गोपाल अग्रवाल तथा श्री सुदेश अग्रवाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, फाइनेंस कमेटी के चैयरमैन श्री आत्माराम सोंथालिया, पूर्व कोषाध्यक्ष कैलाशपति तोदी, श्री दिनेश जैन, श्रीमती तृप्ति डागा, श्रीमती मंजू अग्रवाल आदि ने तिलक, माला, श्रीफल, शॉल, मानपत्र तथा एक लाख रुपयों की राशि प्रदान कर उन्होंने सम्मानित किया।

सम्मान से अभिभूत श्रीमती अमला रुइया ने कहा कि आप लोगों के बीच आकर मैं बहुत छोटा महसूस कर रही हूँ। आप लोगों के सहयोग से ही मैं कुछ कर सकती हूँ। बस आप सबको प्रेरित कर सकती हूँ क्योंकि सब कुछ आप है। ये जिंदगी हम जल को दें, ताकि जल हमारे जीवन में मिठास घोल दे। हम पानी की कमी को चेक डैम बना (खदीन) गांवों में हरियाली ला रहे है। आप लोगों के सहयोग से शहरों में भी पानी की समस्या का हल कर सकते हैं।

इस मौके पर सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री नंदलाल रुंगटा एवं श्री राम अवतार पोद्दार का भी स्वागत किया गया। पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया ने श्रीमती रुइया का संक्षिप्त परिचय दिया। श्री लोहिया ने दमकल मंत्री के हाथों सम्मेलन के मुखपत्र समाज विकास के स्थापना दिवस विशेषांक का विमोचन भी करवाया।

कार्यक्रम में विधायक श्री विवेक गुप्त, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री रतन शाह, डॉ. जुगल किशोर सराफ, श्री आनन्द अग्रवाल, बिहार से श्री महेश जालान एवं श्री जुगल किशोर अग्रवाल, गुजरात से श्री गोकुलचन्द बजाज, श्री रतनलाल अग्रवाल, रांची से श्री रतनलाल बंका, श्री लक्ष्मण अग्रवाल, श्री सुशील चौधरी, श्री शंकरलाल कारीवाल, श्री विष्णु अग्रवाल, श्री गोपाल झुनझुनवाला सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका ने धन्यवाद ज्ञापन किया, जबकि मंच का सफल संचालन सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने किया।

इस मौके पर सुप्रसिद्ध मंत्र इवेंट्ज द्वारा युवा कलाकार श्री आलोक डागा के कुशल निर्देशन में राजस्थान-हरियाणा के मनमोहक लोक गीतों की पारम्परिक वेशभूषा में संगीत एवं नृत्य के साथ धोरां रो म्हारो देस की अनुपम अद्भूत प्रस्तुति की गई।

सर्वश्री पवन जालान, राजेश पोद्दार, संजय शर्रा, कन्हैयालाल खन्ना, संदीप सेक्सरिया, राधाकिशन सफ्फर, विनय सराफ, सतीश अग्रवाल, नवीन गोपालिका सहित अन्यों का कार्यक्रम की सफलता में योगदान रहा।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा समाजसेविका श्रीमती अमला अशोक रुइया का अभिनंदन

उपस्थित समाजबंधुओं के हर्षनाद एवं करतल ध्वनि के बीच जल संचयन/संरक्षण के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान तथा अवदान के माध्यम से समाज का नाम रोशन करने हेतु आकार चैरिटेबल ट्रस्ट (महाराष्ट्र) की अध्यक्षा श्रीमती अमला अशोक रुइया को 'मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान – २०२१' से नवाजने की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई। परम्परानुसार, श्रीमती अमला रुइया जी का संक्षिप्त परिचय सम्मेलन के समाज विकास एवं सेमिनार उपसमिति के चेयरमैन श्री शिव कुमार लोहिया ने प्रस्तुत किया। सम्मेलन के पश्चिम बंग सरकार के दमकलमंत्री **श्री सुजीत बोस**, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, पुरस्कार चयन कमेटी के चेयरमैन पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला, श्री सतीश लाखोटिया, श्रीमती कमल लाखोटिया, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्रीद्वय श्री गोपाल अग्रवाल तथा श्री सुदेश अग्रवाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दामोदर प्रसाद बितावतका, वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोंथालिया, पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी, रोजगार सहायता उपसमिति के चैयरमैन श्री दिनेश जैन, श्रीमती तृप्ति डागा, श्रीमती मंजू अग्रवाल ने क्रमशः तिलक, माला, श्रीफल, शाँल, मानपत्र एवं एक लाख रुपये की राशि देकर उन्हें सम्मानित किया।

ज्ञातव्य है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं दिल्ली की समाजसेवी संस्था रामनिवास आशारानी लाखोटिया ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में २०१४ में स्थापित यह सम्मान सम्मेलन द्वारा प्रतिवर्ष राष्ट्र एवं समाज के सांस्कृतिक, सामाजिक, साहित्यिक, शैक्षणिक एवं चारित्रिक विकास के क्षेत्र में अनूठे एवं महत्वपूर्ण योगदान के लिये राजस्थानी मूल के एक व्यक्ति को दिया जाता है।

स्थापना वर्ष २०१४ में इस सम्मान से प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय की कुलपति, सुख्यात वैज्ञानिक एवं शिक्षाविद् श्रीमती अनुराधा लोहिया को, वर्ष २०१५ हेतु सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश श्री रमेशचंद्र लाहोटी को वर्ष २०१६ हेतु समर्पित समाजसेवी पद्मविभूषण श्रीमती राजश्री बिड़ला को, वर्ष २०१७ हेतु उद्योगपति–समाजसेवी श्री अनिल अग्रवाल (चेयरमैन, वेदान्ता ग्रुप) को, वर्ष २०१८ हेतु भारत की लोकसभा के अध्यक्ष तथा वरिष्ठ राजनेता श्री ओम बिरला को, वर्ष २०१९ हेतु दिल्ली के जनप्रिय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल को एवं वर्ष २०२० हेतु सर्वोच्च न्यायालय के भूतपूर्व न्यायाधीश श्री आदर्श कुमार गोयल को सम्मानित किया गया था।

अतिथियों-वरिष्ठों का स्वागत–सम्मान

सम्मानित अतिथि समाजसेविका श्रीमती अमला रुइया का राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा

मुख्य अतिथि श्री सुजीत बोस, दमकल मंत्री, पं बंग सरकार का राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री सुदेश अग्रवाल द्वारा

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया का पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी द्वारा

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार का वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोंथलिया द्वारा

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पद्मश्री श्री प्रह्लाद राय अगरवाला का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दामोदर प्रसाद विदावतका द्वारा

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ का रोजगार उपसमिति के चेयरमैन श्री दिनेश जैन द्वारा

राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका का राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री सुदेश अग्रवाल द्वारा

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री सुदेश अग्रवाल का श्री सतीश अग्रवाल द्वारा

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री गोपाल अग्रवाल का श्री संजय शर्मा द्वारा

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका का स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन श्री पवन जालान द्वारा

सादगी, सहजता की प्रतिमूर्ति थे श्रीगोपाल झुनझुनवाला

मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री को दी गयी श्रद्धांजलि

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के शेक्सपीयर सरणी स्थित केन्द्रीय सभागार में उद्योगपति व समाजसेवी व सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला के परलोकगमन के बाद पदाधिकारियों - सदस्यों ने उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजली दी।

मौके पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने कहा कि श्री गोपाल जी भले ही हमारे बीच नहीं है पर उनकी कर्मठ छबि हमेशा हमारे दिलों दिमाग में समाहित रहेगी। वह सादगी, सहजता की प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने परिवार के अलावा समाज के निर्माण में अप्रतिम योगदान दिया, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता।

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री नंदलाल रूंगटा ने कहा कि श्रीगोपाल जी सरल, मिलनसार के साथ हंसमुख स्वभाव के धनी थे। उनकी अपनी विचारधारा थी, जिसका उन्होंने जीवन पर्यंत पालन किया। उनका जाना सम्मेलन व समाज की क्षति है। उनकी जगह को कोई भर नही सकता।

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री राम अवतार पोद्दार ने अपने वक्तव्य में कहा कि श्रीगोपाल जी किसी भी बड़े काम को सहज तरीके से कर लेते थे।

निवर्तमान अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने कहा कि सम्मेलन में बतौर महामंत्री कार्य करते हुए उनकी इच्छा रही कि सम्मेलन का देश के हर जिले में विस्तार हो। उनके अंदर ताजगी, स्फूर्ति इतनी थी कि वह किसी भी काम के लिए हमेशा तत्पर रहते थे।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका ने कहा कि श्रीगोपाल जी को हमने बहुत नजदीक से देखा है। वह जिससे बात करते थे वह मंत्र मुग्ध हो जाता था। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने शोक प्रस्ताव का वाचन कर, सम्मेलन की ओर से शोक प्रस्ताव पत्र को श्री उनके अनुज भ्राता राजेंद्र कुमार झुनझुनवाला को सौंपा। श्री हरलालका ने कहा कि श्रीगोपाल जी परिवार के साथ-साथ समाज के लिए जीते थे। उन्होंने अपने परिवार के साथ समाज को जो संस्कार दिये वह लगातार बरगद की तरह बढ़ता रहेगा। श्री हरलालका ने कहा कि वह समाज में अपनी बात बेबाक रखते थे।

पूर्व महामंत्री व समाज विकास के सम्पादक शिव कुमार लोहिया ने कहा कि श्रीगोपाल जी के शोक सभा में शामिल होंगे यह मुझे पता नहीं था, उनमें गहराईयां अधिक थी। वह सुलझे हुये व्यक्ति थे। वह हमेशा देश के निर्माण, संस्कृति को जोड़ने में लगे रहते थे। उन्होंने कहा कि कर्मों के निखार से किसी की काया पलट जाती है। वह अपने पीछे कर्मों का ऐसा छाप छोड़ गये कि हमें उसे ग्रहण करना चाहिए।

श्री राजेंद्र कुमार झुनझुनवाला ने कहा कि सम्मेलन में आकर पता चला कि वह कितना बड़ा परिवार छोड़ कर चले गये, इस परिवार से जुड़ना मेरी उपलब्धि होगी।

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सर्वश्री भानीराम सुरेका, कोषाध्यक्ष दामोदर प्रसाद विदावतका, फाइनेंस कमेटी के चेयरमैन आत्माराम सोंथालिया, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री गोपाल अग्रवाल, पवन कुमार जालान, कैलाशपति तोदी, रमेश भागचंदका, सुरेश कुमार बंका, नंदलाल सिंघानिया, नवीन कुमार जैन, श्री रतनलाल अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, पवन बंसल व प्रवीण कुमार अगरवाल ने विचार रखे। अंत में दो मिनट का मौन रखा गया।

संक्षिप्त परिचय : श्री संतोष खेतान

उत्तराखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री संतोष खेतान जी का जन्म ९ जनवरी १९७६ में राजस्थान के झूंझनू जिलें के खेतड़ी गांव में हुआ था, लेकिन श्री संतोष जी का पालन-पोषण झारखंड के गिरिडीह जिले के अंतर्गत आने वाला पचम्बा गांव में हुआ। यहां से श्री संतोष जी की शिक्षा ७ तक ही हो पायी। उसके बाद परिवार के साथ वो गिरिडीह आ गए। जहां से इनकी आगे की पढ़ाई पूरी हुई। उसके बाद सन् २००१ परिणय सूत्र में बंधे। श्री संतोष खेतान जी के एक पुत्र (निखिल) और एक पुत्रि (दीक्षा) है। साल २००४ में संतोष को व्यापार के सिलसिले में हरिद्वार आना पड़ा। उसके बाद से हरिद्वार से ही रच बस गये और यहां मिक्सर ग्राइंडर के पार्टस बनाने के कारोबार को बढ़ाया। पिछले २० वर्ष से यह मिक्सर ग्राइंडर के पार्टस इंडस्ट्रीज से जुड़े है।

इस बाद वह साल २०१० में उत्तराखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन से जुड़े और लोगों के साथ समाज की सेवा में लग गये, जो निरंतर जारी है। सदस्य के रूप में लगातार सेवा करते हुये इन्हें कोषाध्यक्ष का पदभार संभालने को मिला। इसके बाद २५ दिसंबर २०२२ को हुये चुनाव के बाद सर्व सम्मति से इन्हें अध्यक्ष पद के लिये चुना गया।

श्री संतोष खेतान जी उत्तराखंड के कई संस्थाओं से जुड़ कर सेवा का कार्य कर रहे है। वह किसी के लिये हर हाल में सहयोग के लिये तैयार रहते है।

श्री संतोष खेतान पुनः प्रांतीय अध्यक्ष निर्वाचित

उत्तराखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की कार्यकारिणी के चुनाव में सभी पदाधिकारी सर्वसम्मति से चुने जाने पर सभी को पूरे प्रदेश में समाज के लोगों को संगठन से जोड़ने पर जोर दिया। संरक्षक रंजीत जालान ने कहा कि यदि पूरा समाज संगठित रहेगा तो सभी को जीवन निर्वाह करने में कोई समस्या नहीं आएगी। रानीपुर मोड़ पर स्थित एक होटल में उत्तराखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से सभी पदाधिकारी एवं सदस्य चुने गए। साथ ही नए सदस्यों का भी स्वागत किया गया। चुनाव में अध्यक्ष संतोष खेतान, संरक्षक रंजीत जालान, महामंत्री संजय जाजोदिया, कोषाध्यक्ष रामजी केजरीवाल, उपाध्यक्ष विजय सारस्वत एवं आशीष गुप्ता, संयुक्त मंत्री विजय गोयल, अजय शर्मा, मीडिया प्रभारी उमाशंकर मिश्रा, कार्यकारिणी सदस्य विनोद अग्रवाल, अमित अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, संजय भरतिया, मनोज गोयल, महेश बूवना, राहुल शर्मा को बनाया गया। अंतरिम अंकेक्षक रंजीत देवरीवाल को बनाया गया। संरक्षक रंजीत जालान ने कहा कि कार्यकारिणी का कार्यकाल एक जनवरी-२०२३

से ३१ दिसंबर-२०२४ तक रहेगा। सभी पदाधिकारियों ने कहा कि यह सर्वसमाज को एकत्रित कर एक मंच पर लाने का अच्छा प्रयास है और मासिक या पाक्षिक बैठक होनी जरूरी हैं, ताकि एक दूसरे के विचार और दुखः सुख बांटे जा सके। उन्होंने कहा कि इससे आगामी पीढ़ी का एक दूसरे से लगाव रहेगा और समाज के लोगों में अपनापन रहेगा। इससे व्यापार में भी बढ़ोत्तरी होगी।

मीडिया प्रभारी उमाशंकर मिश्रा ने कहा कि उत्तराखंड प्रदेश में निवासरत या व्यापार कर रहे सभी लोगों से संपर्क करते हुए समिति से जोड़ा जाएगा। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि समाज के लोगों को एक मंच पर लाने के लिए सभी को प्रयास करने होंगे, तभी इस समिति का प्रयास सार्थक होगा।

सर्वस्मति से आज दिनांक २५/१२/२२ को उत्तराखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की गई कार्यकारिणी समिति का चुनाव किया गया जो अग्रलिखित है :- अध्यक्ष : श्री संतोष खेतान, संरक्षक : श्री रंजीत जालान, महामंत्री : श्री संजय जाजोदिया, कोषाध्यक्ष : श्री रामजी केजरीवाल, उपाध्यक्ष : श्री विजय सारस्वत, श्री आशिष गुप्ता, संयुक्त मंत्री : श्री विजय गोयल, श्री अजय शर्मा, मीडिया प्रभारी :श्री उमाशंकर मिश्रा, कार्यकारिणी सदस्य : श्री विनोद अग्रवाल, श्री अमित अग्रवाल, श्री राजेश अग्रवाल, श्री संजय भरतिया, श्री मनोज गोयल, श्री महेश बूबना, श्री राहुल शर्मा, अंतरिम अंकेक्षक : श्री रंजीत टेबरीवाल।

उपरोक्त कार्यकारिणी का कार्यकाल दिनांक ०१.०१.२०२३ से ३१.१२.२०२४ तक रहेगा।

जरुरतमंदों में बांटे कंबल

उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान मं सदस्यों द्वारा जरुरतमंद लोगों के बीच कड़ाके की ठंड में कम्बल वितरण का कार्य सम्पन्न हुआ।

यह कार्यक्रम जिसमें संतोष खैतान के देख रेख में हुआ। जिसमें पहले चरण में ये लोग शामिल रहे। रंजीत टिबरेवाल, राम केजरीवाल मनोज गोयल, दूसरे चरण में संजय जाजोदिया, अजय शर्मा। तीसरे चरण में संतोष खैतान, आलोक सारस्वत, विजय सारस्वत, अमित अग्रवाल, एवम प्रवीण अग्रवाल और चौथे चरण में शामिल रहे संजय जाजोदिया, महेश बुबना, राजेश अग्रवाल सब ने मिलकर हरिद्वार के अलग अलग क्षेत्र में सो रहे लोगो को कम्बल डाल कर बहुदूरी दिखाई। संस्था के लोगों ने संकल्प लिया कि भविष्य में इसी प्रकार हमसब मिलकर की जनसेवा करते रहेंगे।

प्रांतीय सम्मेलन के लिए २०२३ होगा संगठन विस्तार का वर्ष : मित्तल

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष बसंत मित्तल ने कहा है कि आनेवाला नया साल २०२३ मारवाडी सम्मेलन के लिए संगठन विस्तार का वर्ष होगा और राज्य में न सिर्फ बड़ी संख्या में नए सदस्य बनाए जाएंगे बल्कि सभी जिलों, खासकर गढ़वा, में संगठन को और मजबूत किया जाएगा।

शहर में तीन दिनों की जनसंपर्क यात्रा पूरी करने के बाद मित्तल ने कहा कि राज्य में मारवाड़ी सम्मेलन को कई बड़े दायित्वों को पूरा करना है जिसकी गूंज राष्ट्रीय स्तर पर होनी है, आदर्श आचार-संहिता भी इनमें से एक है, झारखंड में बनी आदर्श आचार संहिता के राष्ट्रीय स्तर पर लागू होने का मार्ग प्रशस्त हो गया है, संगठन की केंद्रीय कार्यकारिणी ने इस आदर्श आचार संहिता के मसौदे को अपनी मंजूरी दे दी है।

एक सवाल के जबाब में मित्तल ने कहा कि राज्य में उनके नेतृत्व में संगठन की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि प्री-वेडिंग फोटो सेशन व कॉकटेल पार्टी पर पूरी तरह से रोक लग चुकी है।

इस साल के शादी सीजन में राज्य में कहीं पर भी मारवाड़ी समाज में न तो प्री वेडिंग फोटो सेशन हुआ और न ही कॉकटेल पार्टी आयोजित की गई, उन्होंने कहा कि इसे लेकर समाज में जो जागरुकता चलायी गयी थी, वह पूरी तरह से असरकारी साबित हुई। इसी तरह से लोग अब बड़े स्तर पर मरनी सामाजिक भोज करने की जगह कुटुंब व ब्राह्मण भोज करने प्राथमिकता देने लगे हैं, मरनी सामाजिक भोज आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बड़ी आर्थिक परेशानी का सबब बन जाता है। इसीलिए सम्मेलन ने इसे कुरीति के रूप में निरूपित करते हुए इसे बंद करने की मुहिम शुरू की हैं, संगठन विस्तार के बारे में बताते हुए मित्तल ने कहा कि वे जल्द ही पूरे राज्य का दौरा शुरू करेंगे और हर जिले में कम से कम एक रात्रि विश्राम कर समाज के लोगों से संवाद स्थापित कर उन्हें संगठन से भावनात्मक रूप से भी जोड़ने की पहल करेंगे, समाज के लोगों को अहसास कराएंगे कि सुख व दुख की हर घड़ी में मारवाड़ी सम्मेलन उनके साथ है और आगे भी रहेगा, अपने संगठन की राष्ट्रीय इकाई के होनेवाले संगठन चुनावों को चर्चा करते हुए मित्तल ने सभी आजीवन सदस्यों की मतदान का अधिकार देने की मांग की।

साथ ही उनका कहना था कि चुनावी प्रक्रिया में निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष व महामंत्री की पूरी तरह से तटस्थ रहना चाहिए, उन्होनेनारा दिया – राष्ट्रीय अध्यक्ष वो बने जो समाज व संगठन को समय दे सके।

निर्मल काबरा का किया अभिनंदन :

झारखंड प्रांत मारवाड़ी सम्मेलन के सभी पूर्व अध्यक्षों के स्वागत व अभिनंदन के निर्णय के तहत संगठन के प्रदेश अध्यक्ष बसंत मित्तल ने जमशेदपुर प्रवास के दौरान मंगलवार को पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष निर्मल काबरा का अभिनंदन किया, दूसरी ओर मारवाडी समाज के अशोक चौधरी व अन्य ने मित्तल का गर्मजोरी से स्वागत व अभिनंदन किया।

निकाय चुनाव से होगा सियासत का आगाज

एक अन्य सवाल के जवाब में पूरे राज्य में रहनेवाले करीब एक लाख मारवाड़ी परिवारों से संवाद करने की योजना बनानेवाले मित्तल ने कहा कि राज्य की सियासत में मारवाड़ी सम्मेलन को वाजिब हक अभी तक नहीं मिला है, इसीलिए हम इस दिशा में भी पहल करने जा रहे हैं।

राज्य में होनेवाले निकाय चुनाव से इसका आगाज होगा, निकाव चुनाव में मेयर या चेयरमैन समेत जितने भी बड़े पद सामान्य श्रेणी के होंगे, मारवाड़ी समाज उन पदों के लिए अपने प्रत्याशी उतारेगा, यदि सामान्य महिला सीटहोगी तो महिला प्रत्याशी देंगे और जो सामान्य सीट होगी तो वहा मारवाड़ी समाज का कोई पुरुष उम्मीदवार उतारा जाएगा, उन्होंने कहा कि इसी तरह बाद के चुनावों के लिए भी नीति व रणनीति बनाई जाएगी।

मारवाड़ी सम्मेलन गिरिडीह का चुनाव सम्पन्न

बैठक के बाद मारवाड़ी सम्मेलन गिरिडीह के नवनिर्वाचित पदधिकारी व मौजूद गणमान्य लोग।

मारवाड़ी सम्मेलन गिरिडीह शाखा की अहम बैठक गुरुवार को श्याम सेवा समिति ट्रस्ट प्रांगण गिरिडीह में हुई। अध्यक्षता सम्मेलन के अध्यक्ष प्रदीप जैन ने की। बैठक में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रमंडलीय उपाध्यक्ष अशोक जैन पांड्वा और सम्मेलन के संरक्षक सुरेश जालान मुख्य रूप से शामिल थे।

बैठक में पिछले सत्र के आय-व्यय का ब्यौरा सर्वसम्मति से पारित किया गया। वर्ष २०२३-२४ के चुनाव भी संपन्न कराए गए। जिसमें श्रवण केडिया सीए अध्यक्ष व दिनेश खेतान सचिव निर्वाचित हुए। इसके अलावा डॉ. सज्जन डोकानिया उपाध्यक्ष, बांके बिहारी शर्मा संयुक्त सचिव, विकास खेतान सीए कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।

सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का आह्वान : बैठक में सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए समाज के लोगों से आह्वान किया गया। मौके पर अशोक जैन पांड्या ने कहा कि समाज के उत्थान के लिए समाज के हर तबके को आगे आना चाहिए। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी समाज के युवाओं को आगे आने का आह्वान किया। प्रतिभावाना बच्चों को शिक्षा की तैयारी में आनेवाली कठिनाइयों को सामाजिक स्तर पर सहयोग करने की बात कहीं। आर्थिक रूप से कमजोर बच्चे पैसे के अभाव में शिक्षा से वंचित ना हो, वह गिरिडीह शहर के लिए अत्यंत जरुरी है। बैठक में पूर्व सचिव सुनील मोदी, राजेंद्र भारतीय, कृष्ण बगड़िया, ध्रुव संचालिया, प्रदीप डालमिया, संजय दत्त, राजीव शर्मा, श्यामसुंदर सिंघानिया, महेंद्र जैन, शैलेस जैन, राजेश छपरिया, सतीश केडिया, गोपाल बगड़िया, प्रवीण बगड़िया, शंभू जैन, संजय शर्मा, रोहित जालान समेत कई लोग उपस्थित थे।

ट्रामा सेंटर के स्थापना पर दिया जोर

बैठक मे मारवाड़ी सम्मेलन ने गिरिडीह में एक ट्रामा सेंटर की स्थापना की बात कही। मारवाड़ी सम्मेलन गिरिडीह शाखा के संरक्षक व शहर के उद्योगपति सुरेश जालान ने सम्मेलन के द्वारा समाजहित और जनहित के कार्यों की सराहना की। सम्मेलन के कार्य को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने और सहयोग करने की बात कहीं।

संक्षिप्त परिचय : म. प्र. के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री विजय कुमार सकलेचा

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय शाखा, मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष श्री विजय कुमार सकलेचा का जन्म ५ जून १९५९ को महाराष्ट्र के वर्धा जिले के अरवी में हुआ। आपने दसवीं की शिक्षा महाराष्ट्र में ग्रहण की एवं आगे की पढ़ाई के लिये जबलपुर आ गये और यहाँ से वाणिज्य से स्नातक किया। २३ अप्रैल १९८५ को श्रीमती मंजुला सकलेचा को अपना जीवन साथी बनाया एवं एक पुत्र श्री हर्षद सकलेचा, पुत्रवधु श्रीमती मेघना सकलेचा एवं पुत्री श्रीमती मेघा सकलेचा एवं दामाद श्री सिद्धांत श्रीमल (पुत्री की शादी हो चुकी है) के साथ पिछले ४० वर्षों से आप जबलपुर में ही रह रहे है। आपने एफ.एम.सी.जी. (फूड) के क्षेत्र में अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाया। आप अनेकों संस्थाओं से जुड़े हुए हैं श्री जैन श्वेताम्बर, श्री संघ एवं जय जिनेंद्र सेवा समिति के सक्रिय सदस्य के रूप मे कार्य करते आ रहे हैं। २००२-२००३ में आप लायंस क्लब, सेंट्रल जबलपुर के सचिव एवं पिछले ८ वर्षों से पलाश चेम्बर्स मार्केट एसोसिएशन के पद को सुशोभित कर रहे है। आपने व्यापार के साथ-साथ समाज सेवा में भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। शुरू से ही समाज से जुड़ कर कार्य करने की इच्छा रखते है और ऐसे किसी भी कार्यों में आपने अपना हर सम्भव योगदान दिया।

पहल : धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन के शपथ ग्रहण व मिलन समारोह में लिया गया निर्णय

खत्म की जायेगी प्री-वेडिंग व मृत्यु भोज की परंपरा

धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन का पारिवारिक मिलन सह शपथ ग्रहण समावेश गुरुवार को न्यू टाउन हॉल में हुआ। प्रांतीय अध्यक्ष बसंत मित्तल ने धनबाद जिला के नवनियुक्त अध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल व उनकी टीम को शपथ दिलायी। प्रांतीय अध्यक्ष ने कहा, मारवाड़ी समाज ने समाज को बहुत कुछ दिया है। समाज को अगर कोई अंगुली दिखायेगा तो हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। अब हर क्षेत्र में मारवाड़ी समाज की भागीदारी होगी। २०२४ के चुनाव में मारवाड़ी समाज अपना प्रतिनिधि देगा, २०२४ के पहले समाज से प्री-वेडिंग, मृत्यु भोज व कॉकटेल प्रथा को पूरी तरह समाप्त कर दिया जायेगा। जिलाध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल ने कहा कि समाज के कार्यक्रम में समाज के लोग ही मंच साझा करेंगे। गैर समाज के लोगों को मंच शेयर नहीं करने देंगे और न ही उनसे मदद लेंगे, समाज के लोगों को किसी तरह की समस्या पर मारवाड़ी सम्मेलन के लोग खड़े मिलेंगे। कार्यक्रम के दौरान देश की आजादी, धनबाद कायांचल एवं अपने समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्मृतिशेष रामजस बाबू मदन बाबू, अर्जुन बाबू, रामानंद खेतान, सत्यनारायण दुदानी एवं परमेश्वर अग्रवाल को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी। उनके द्वारा किये गए कार्यों को समाज के लोगों को अवगत करते हुए उनके परिजनों को सम्मानित किया गया। मंच का संचालन महेंद्र अग्रवाल व ललित झुनझुनवाला ने किया। धन्यवाद ज्ञापन वरीष उपाध्यक्ष चेतन गोयनका ने किया कार्यक्रम में प्रांतीय उपाध्यक्ष शिवहरि बंका, दीपक पोद्दार, अनिल मुकीम, बाबुलाल अग्रवाल, मनोज मोदी, मिंटु अग्रवाल, राजेश पेटोलिवा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

इन्होंने किया संबोधित : हरि प्रकाश लाटा ने सामाजिक संस्थाओं में समरसता, समन्वय एवं एकरूपता विषय पर अपनी बातें रखी। कृष्ण कुमार रुंगटा ने समाज में व्याप्त समस्याएं एवं उनका समाधान पर अपने विचार रखे। राजकुमार अग्रवाल ने मारवाड़ी सम्मेलन की महत्ता पर प्रकाश डाला। हरि जी अग्रवाल ने समाज की उपलब्धिया बतायी।

इनकी रही भूमिका : कार्यक्रम के समस्य आयोजन में मुख्य रूप से सम्मेलन के अध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक संजीव अग्रवाल, सर्वश्री महेंद्र अग्रवाल, योगेंद्र तुलस्यान, ललित झुनझुनवाला, चेतन गोयनका, राजेश पेटोलिया, शेखर शर्मा, प्रदीप अग्रवाल, दीपक रुइया, शिवप्रकास लाटा, संजय पोद्दार, रामविलास गोयल, विनय अग्रवाल, अरुण अग्रवाल, अमित सतनालिक, अनिल खेमका, पवन सोनी, सुभाष तिखमनिया, अनिल मित्तल, सुरेश खरकिया, विमल अखेरुमका, राहुल सिंघानिया, राजेश अग्रवाल, जितेन अग्रवाल, रोहित सरावगी, हर्षित केजरीवाल, मोहित अग्रवाल आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

राजस्थानी लोक संगीत संध्या की शुरुआत गनेश वंदना के साथ हुई. राजस्थान को लता मंगेशकर सीमा मिश्रा के पल्लो लटके गोरी को पल्लो लटके.....गीत पर न्यू टाउन हॉल झूम उठा गायिका सीमा ने मिश्री को बाग लगा दे रसिया नीम की निवाली मन खरी लागे..... धड़ती धाम ले देवरिया देवरानी जल जाये.....आदि गीतों से उपस्तित दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। टलीवुड-टॉलीवुड एक्ट्रेस परिजात चक्रवर्ती ने अपनी एकटिंग से लोगो को खूब मनोरंजन की। कार्यक्रम का समापन महाराजा अग्रसेन जी की महाआरती से की गयी।

पुष्पा भुवालका ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति मुर्मू से की शिष्टाचार भेंट

झारखंड राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष सह अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य पुष्पा भुवालका एवं झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्य आदित्य भुवालका ने राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शिष्टाचार भेंट की और उन्हें नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी। पुष्पा भुवालका ने सम्मान स्वरूप राष्ट्रपति जी को राजस्थानी शॉल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट की। लगभग ४५ मिनट तक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ रही, एवं यादगार पलों को याद करते हुए कहीं की झारखंड में ६ वर्षों तक साथ में कार्य करने का अवसर मिला जो मेरे लिए एक यादगार एवं गौरवमय क्षण था। उन्होंने झारखंड की सामाजिक सांस्कृतिक क्षेत्र में तथा ग्रामीण क्षेत्रों में किए जा रहे हैं प्रसार गतिविधियों सामाजिक दायित्व एवं क्रियाकलापों से अवगत कराई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी खुशी जाहिर की। उक्त जानकारी झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने दी।

बैकुण्ठ एकादशी पर सिम्हाचलम मंदिर में सेवा कार्य

विशाखापट्टनम् स्थित सिम्हाचलम ग्राम के पहाड़ों में श्री वराह लक्ष्मी नृसिंहरवानी मंदिर में ०२ जनवरी को प्रति वर्ष की भांति बैकुण्ठ एकादशी पर्व मनाया गया। इस पर्व पर हजारों की तादाद में भक्तगण उपस्थित होकर दर्शन करते हैं। देवस्थान विभाग ने उपस्थित भक्तगणों को पानी, गरम दूध, मसाला चाय और बिस्कुट देकर सेवा करने का मौका आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन को दिया। ०१ जनवरी, रविवार रात्रि ११ बजे से ०२ जनवरी सोमवार सुबह ११ बजे तक आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, शाखा विशाखापट्टनम् और शाखा श्रीकाकुलम ने मिलकर १२ घण्टों तक यात्रियों को ठंड़ के मौसम में पानी, गरम दूध, मसाला चाय और बिस्कुट देकर सेवा कार्य किया। देवस्थानम विभाग के सुरेश (ई.ओ.), श्रीनिवासराजू (ई.ई.), वी.बी.वी. रमणमूर्ति (ए.ई.ओ.), नागेश्वरराव (डी.ई.) और अन्य पदाधिकारीगण स्ट ॉल पर पधारने पर उन्हें हमारी रीति-रिवाज के अनुसार चांदमल अग्रवाल (अध्यक्ष : आं.प्र.प्रा.मा.स.), पोड़ेश्वर पुरोहित (सचिव: आं.प्र.प्रा.मा.स.), संतोष बुच्चा (शाखा, विशाखापट्टनम् उपाध्यक्ष), जयदीप मिन्नी ने पगड़ी पहनाकर उनका स्वागत किया गया।

इस अवसर पर सुरेश (ई.ओ.) ने कहा कि मारवाड़ी समाज द्वारा की जाने वाली सेवाएं अनंत है। इसका उदाहरण आज हमारी और भक्तगणों की आँखों के सामने है। विजयवाड़ा शहर के पहाड़ों में रहने वाली दुर्गा माता के नवरात्रि में बड़ा मेला लगता है। वहाँ पर भी आपकी संस्था द्वारा इसी तरह की सेवा करने का आप लोग प्रोग्राम बनाइये। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में राजेश कोठारी अक्षय, भंवरसिंह राजपुरोहित, ब्रिजभूषण पांड़ेय, कनकराजू, मनोहर सिंह, पिंटू सिंह राजपुरोहित, प्रकाशकुमार राजपुरोहित, मुकेश कुमार, उमेद सिंह राजपुरोहित, हुकसिंह राजपुरोहित, महेन्द्रसिंह राजपुरोहित, सुब्रह्मण्यम वर्मा डट्ला, हेमाकुमार समेत अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

सम्मेलन के – स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सेवा कार्य

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ८८वें स्थापना दिवस दिनांक : २५-१२-२०२२ के उपलक्ष्य में संस्था की प्रांतीय शाखा आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने दिनांक : २४-१२-२०२२ की सुबह कोंड़ाकर्ला ग्राम (परवाड़ा मंडल, अनकापल्ली जिला) में स्थित "इच्छा फाउंडेशन" में जाकर मस्तिष्क पक्षाघात से ग्रसित करीब २४ बच्चों के लिए दवाईयाँ, बेबी डायपर और १५ दिनों का राशन संस्था के इंचार्ज डॉ. पवन ऑर्थो एंड फिजियोथेरपी

को भेंट किया। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष चांदमल अग्रवाल, सचिव पोड़ेश्वर पुरोहित, जिला उपाध्यक्ष संतोष बुच्चा, जिला कोषाध्यक्ष राजेश भंसाली, अजित भंसाली, कनकराजू उपस्थित थे।

सम्मेलन के ८८वें स्थापना दिवस पर दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा कम्बल वितरण

अ.भा. मारवाड़ी सम्मेलन के ८८वें स्थापना दिवस पर दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने आचार्य भिक्षु हॉस्पिटल, मोती नगर पर २५० से अधिक कम्बल वितरण का कार्यक्रम किया।

कम्बल वितरण करते हुए प्रांतीय अध्यक्ष श्री लक्ष्मी पत भूतोड़िया, अन्य पदाधिकारीगण, समाज बंधु एवं कार्यकर्ता, श्री घासी राम जी, श्री जीतेन्द्र बांठिया जी, श्री सुरेंद्र जी नाहटा, श्री सम्पत मल नाहटा, श्री कांति बच्छावत एवं श्री सज्जन शर्मा अध्यक्ष सेंट्रल दिल्ली का विशेष सहयोग रहा।

सीमा जी के जज्बे को नमस्कार

हमारे समाज की गौरव एक ऐसी प्रतिभा का पदार्पण हुआ। जिन्होंने गत (२६-२-२२ से १२-११-२२ तक) ५० दिनों में सें ४० दिन लगातार साइकिल पर कश्मीर से कन्याकुमारी तक करीब ४५०० किमी. का सफर, महिला होते हुए भी अकेले, तय कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। तीन बेटियों की माँ श्रीमती सीमा अग्रवाल (तुलस्यान) जबलपुर की रहनेवाली है, पेशे से आयुर्वेदिक चिकित्सक है और मध्य प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन से सक्रिय रूप से जुड़ी है, १७-११-२२ को मध्य प्रदेश प्रांतीय सभा के दौरान उनका अभिनन्दन भी किया गया था। ५० दिन की यात्रा में जितने भी पड़ाव आये सीमा जी ने नारी सशक्तिकरण का सन्देश दिया। इससे पहले वो २६ दिनों में ३६०० किमी की साइकिल पर नर्मदा परिक्रमा भी कर चुकी है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने दिल्ली आगमन पर उनका शानदार सम्मान किया। श्री गोयनका ने श्रीमती सीमा जी अग्रवाल को शॉल, मोमेंटो, व माला देकर सम्मान किया। इस मौके पर श्रीमती सीमा जी अग्रवाल ने कहा कि उन्हें बचपन से ही कुछ अलग करने का मन था। एक सपना था। महिला के नाते यह मेरे लिये एक बड़ा चैलेंज था। जिसे मैंने कर के दिखाया।

समाचार सार

साल्टलेक लोक संस्कृति द्वारा कोलकाता में आयोजित राजस्थानी मेले में कोलकाता शहर के मेयर श्री फिरहाद हाकिम के साथ अ.भा.मा. सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका। मंचस्थ है निवर्तमान कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी, विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक श्री सुशील ओझा, साल्टलेक लोक संस्कृति के अध्यक्ष श्री संदीप गर्ग तथा अन्य पदाधिकारी।

मारवाड़ी सम्मेलन कर्नाटक की महिला शाखा ने की बैठक

मारवाड़ी सम्मेलन, कर्नाटक की महिला शाखा, महिला परिधि ने अपनी पहली कार्यकारिणी समिति की बैठक की। कार्यक्रम की शुरुआत महिला शाखा की अध्यक्ष माया अग्रवाल ने केक काटकर की। कार्यक्रम में महिला परिधि की अध्यक्ष श्रीमती माया अग्रवाल ने मारवाड़ी सम्मेलन कर्नाटक के अध्यक्ष को उन्हें महिला शाखा की अध्यक्ष मनोनीत करने पर धन्यवाद दिया।

बैठक में अनेक कार्यकारिणी सदस्याओं को विभिन्न पदों पर मनोनीत किया गया। इनमें मंजू अग्रवाल को सलाहकार, शालिनी अग्रवाल सचिव, निर्मला गोयल प्रथम उपाध्यक्ष, लता चौधरी द्वितीय उपाध्यक्ष, विनीता अग्रवाल संयुक्त सचिव, पल्लवी पोद्दार सहायक सचिव, हेमलता सांवरिया कोषाध्यक्ष पूजा अग्रवाल साउथ जोन हेड वनाई गई है। वहीं कार्यकारिणी सदस्याओं में कविता गर्ग, सविता गुप्त, शशि जैन, नेहा अग्रवाल, हेमलता अग्रवाल, मनीषा अग्रवाल, किरन भावसिंहका, अंजु अग्रवाल, विधि चौधरी, मंजू अग्रवाल, आशा मित्तल, जया चौधरी को शामिल किया गया। इस दौरान कार्यकारिणी समिति में यह निर्णय लिया गया कि आगामी संक्रांति महोत्सव पर १३ जनवरी को अनाथालय में जाकर जरुरतमंद बच्चों को विभिन्न प्रकार के सामान का वितरण किया जाएगा। इनमें कम्बल, विस्किट्स, चॉकलेट्स, जैकट्स, टॉयलेट्रीज, खाद्य पदार्थ (दाल, चावल व आटा इत्यादि) तथा घर की बनी हुयी रसोई व कैरम बोर्ड आदि दिए जाएंगे। बैठक में सचिव शालिनी अग्रवाल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

"राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप – कर्नाटक"

"मध्य प्रदेश की चार्वी मेहता शतरंज की राष्ट्रीय चैंपियन बनी"

मध्य प्रदेश की अनरेंटेड खिलाड़ी चार्वी मेहता ने कर्नाटक के तुमकुर जिले में आयोजित राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप में भारी उलटफेर करते हुए राष्ट्रीय बरीयता प्राप्त रेटेड खिलाड़ियों को हराकर शतरंज पैंपियनशिप पर कब्जा जमाया। चार्वी ने चैंपियनशिप में महिला वर्ग में सर्वाधिक राउंड जीतकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

यह जानकारी मध्यप्रदेश चैस एसोसिएशन के प्रदेश सचिव श्री प्रकाश बंशकर ने देते हुए बताया कि केंद्रीय विद्यालय ऊज्जैन में कक्षा सातवीं में अध्ययनरत कु चार्वी मेहता को कर्नाटक के पूर्व उप-मुख्यमंत्री एवं विधायक डॉ. गंगाधर परमेश्वर एवं तुमकुर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एम बैंकटेश्वरलू ने स्वर्ण पदक एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी चार्वी राज्य स्तरीय शालैय एवं राज्य शतरंज चैम्पियनशिप में प्रथम बार भागीदारी कर उलटफेर करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त कर चुकी है।

चार्वी इंटरनेशनल मल्लखंब अंपायर एवं विक्रम तथा विश्वामित्र अवार्ड से अलंकृत डॉ. आशीष मेहता एवं इंजीनियर श्रीमती तरुश्री मेहता की पुत्री है।

"चित्र" – "प्रथम चित्र" में पूर्व उप-मुक्यमंत्री डॉ. गंगाधर परमेश्वर एवं तुमकुर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एम बैंकटेश्वरलू कु चार्वी मेहता को स्वर्ण पदक एवं ट्रॉफी प्रदान करते हुए।

"द्वितीय चित्र" में ट्रॉफी के साथ कु चार्वी मेहता।

नगांव शाखा ने मनाया स्थापना दिवस समारोह

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का ८८ वाँ स्थापना दिवस नगाँव शाखा द्वारा २४ दिसंबर शनिवार को श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति भवन के प्रांगण में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। स्थापना दिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर वरिष्ठ समाज बंधु श्री नेमीचंद डाबड़ीवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। श्री नेमीचंद डाबड़ीवाल ने सम्मेलन का ध्वजारोक्षण किया तथा दीप प्रज्ज्वलन किया। सदस्यों ने ८८ दीप प्रज्वलित कर ८८वाँ स्थापना दिवस मनाया। श्री नेमीचंद डाबड़ीवाल ने अपने संबोधन में सम्मेलन की नगांव शाखा द्वारा किए जा रहे कार्यों की भूरी भूरी की।

मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व शाखा अध्यक्ष, सदस्यों के साथ समाज की कई संस्थाओं के पदाधिकारी व समाजबंधु उपस्थित थे।

इससे पूर्व दिन में १०.०० बजे नौगांव महाविद्यालय के ७५वें वर्ष पूर्ति के अवसर पर निकाली गई सांस्कृतिक शोभायात्रा में लगभग २,००० से अधिक लोग शामिल हुए। स्थापना दिवस के अवसर पर शाखा द्वारा पेयजल का वितरित किया गया।

बरपेटा रोड : वनभोज का आयोजन

मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा और धार्मिक महिला समिति (बरपेटा रोड) संयुक्त रूप से प्रकृति का आनंद उठाते हुए बड़नगर पार्क में पिकनिक पर गई। सभी बहनों और बच्चों ने मिलकर विभिन्न प्रकार के खेल खेलें और विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजनों का लुफ्त उठाया। लगभग २२ औरतो और बच्चों ने बड़े हर्षोल्लास से वनभोज का आनंद लिया। सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति में वनभोज का कार्यक्रम बहुत ही सुचारु रूप से संपन्न हुआ।

अध्यक्षा ईस्मिता शर्मा, सचिव कविता खेमका, उपाध्यक्षा सविता जाजोदिया, खेल मंत्री कुसुम मोर, कांता खेतावत, स्मिता धीरासरिया, विनीता चौधरी, रिंकू खेमका, सरोज अग्रवाल, ज्योति शर्मा, संतोषी खेमका, अनु शर्मा, विनीता अग्रवाल, सुमित्रा जैन, सरला शर्मा, रचना खेतावत, शीला अग्रवाल, ललिता देवी झुनझुनवाला और मंजू जाजोदिया और बच्चे इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

बड़नगर पार्क के बाद सभी बहनें गोरखीया गोहाई (कृष्ण मंदिर) मंदिर में माथा टेकने गई।

लखीमपुर

१३ बहनों का अभिनन्दन

लखीमपुर मारवाड़ी समाज की १३ बहनों का एक मंच हरिद्वार बारहमासा स्नान करने के बाद लौटते हुए हारमती (बंदरदेवा) पहूंचा। उक्त महिला ग्रुप हारमाती (बंदरदेवा) रेलवें स्टेशन पर गाड़ी से उतरने के बाद उस अकसर पर मारवाड़ी सम्मेलन महिला (नव गठित) बंदरदेवा शाखा ने सभी धर्मप्रेमी बहिनों का फुलाम गमछा से अभिनन्दन कर स्वागत किया।

उक्त अवसर पर बंदरदेवा मारवाड़ी सम्मेलन ने भी सहयोगात्मक भूमिका निर्वाहन कर नव गठित महिला शाखा का उत्साह वर्धन किया

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

Yours Tastefully
Anmol
हर पल अनमोल
हर घर अनमोल
www.anmolindustries.com | Follow us on:

समर्पण को समर्थन दें

– भानीराम सुरेका
राष्ट्रीय उपाध्यक्षः अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन अपने शतवर्ष की ओर अग्रसर है। प्रवासी मारवाड़ी समाज की राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था के रूप में इसकी प्रासंगिकता पहले से कहीं आज महत्वपूर्ण है। समाज को वैचारिक विमर्श के माध्यम से बदलते समय में आ रही चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रस्तुत करना इसकी मुख्य भूमिका रही है।

स्थापना के ८८ वर्षों बाद सम्मेलन के राष्ट्रीय नेतृत्व के समक्ष यह सबाल महत्वपूर्ण हो उठा है कि सम्मेलन की रणनीति क्या हो?

आज जरूरी है कि सम्मेलन देश के कोने-कोने में बसे प्रवासी मारवाड़ियों को संगठित करें और उनमें नई चेतना का शंखनाद करें जिससे पीढ़ियों के अंर्तद्वंद्व से जूझ रहा मारवाड़ी समाज एक आदर्श सामाजिक आचार-संहिता के तहत एकजुट हो और वर्तमान की चुनौतियों का जमकर सामना कर सकें। अनुभवी और समर्पित व्यक्ति को ही सम्मेलन के शीर्ष पद पर लाया जाए, जिसमें उसके अनुभव, सांगठनिक दक्षता और सामयिक विचारों का लाभ सम्मेलन को मिल सके।

पहले से आज की चुनौतियां अलग हैं और उनके विरुद्ध लड़ने के लिए जो साधन हैं उनमें भी भिन्नता है इसीलिए यह जरुरी है कि सबसे पहले विचार-विमर्श के जरिये समस्याओं की गहरी पड़ताल की जाए। समाज में एकता और समरसता बहुत जरुरी है। हम सभी मारवाड़ी एक हैं और हमेशा समरसता के माध्यम से जो जहां है वहाँ की प्रगति में सहायक बनें, यही लक्ष्य होना चाहिए।

एक प्रवासी मारवाड़ी होने और दशकों से सामाजिक जीवन में सक्रिय होने के नाते दृढ़ता के साथ कह सकते है कि आर्थिक रूप से भले ही हमने मज़बूती पायी है पर नैतिक रूप से हम निरंतर खोखले होते जा रहे हैं।

मोटे तौर पर सामजिक संगठनों को लेकर जितना अध्ययन मैंने किया है उसके आधार पर कह सकता हूँ कि हज़ारों की संख्या होते हुए भी अगर समाज में एकता नहीं हैं, विकृतियाँ बढ़ रही हैं और समाज दिग्भ्रमित हो रहा है तो इसके पीछे समस्याओं के प्रति हमारी अन्यमनस्कता उत्तरदायी है।

हम समस्या को तब तक नज़रअंदाज करते हैं जब तक वह स्वयं की समस्या बनकर सामने ना आये। सभी समस्याओं के विस्तृत होने में इस अन्यमनस्कता का ही हाथ होता है। यदि हम समस्याओं पर चर्चा करें, विचारों के आदान-प्रदान के माध्यम से उसकी बारीकियों को समझें तो शायद बहुत सी समस्याओं का निदान संभव है। हमें समाज के सभी तबके के लोगों के साथ दोसितीवी भाव रखना होगा और अगर वैचारिक मतभेद है भी तो उसे अनदेखी कर उसके साथ सकारात्मक बातें करनी होगी। जिससे वह अपने विचारों को बदलने की दिशा में सचेत हों। सामाजिक एकता और समरसता सम्मेलन का मूल चिंतन बिंदू रहा है। नीति, न्याय, नैतिकता की तिलांजलि देकर सिर्फ अर्थ की भूख से पागल लोगों का जीवन व्यक्तिगत रूप से भले समृद्धि का सूचक हो, परंतु व्यापक समाज के लिए इनके जीवन का कोई अर्थ नहीं होता। ये समाज की विरासत को बदनामी का जामा पहनाते हैं। अर्थ तो उनके जीवन का होता है जो दूसरे पथ के राही बनते हैं, अपनी प्रगति के समानांतर अपने सदृश अन्य लोगों को भी प्रगति की अविरल धारा से जोड़ते हैं

अब एक बार फिर सम्मेलन देश के कोने-कोने में बसे मारवाड़ियों को उनकी सांस्कृतिक बिरासत, आत्मिक ताकत तथा सामाजिक संगठन का तात्पर्य समझाये तथा यह कोशिश करे कि सदियों से जिन गुणों के समावेश से हम समाज ने प्रगति की वे प्रतिष्ठित हों और नयी पीढ़ी उन गुणों को आत्मसात कर एक ऐसे समाज के निर्माण में आगे बढ़े जो दूसरे समाजों को प्रेरित करे। राष्ट्रीय अध्यक्ष का चयन और उसकी भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। आज तक सम्मेलन में निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने की परंपरा रही है।

कोलकाता सम्मेलन के गतिविधियों की धुरी रही है। इसीलिए वह जरूरी है कि जो भी राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभाले वह कोलकाता मे नियमित संपर्क रखे और वहां रहकर प्रधान कार्यालय का संचालन करे। सम्मेलन का मुखपत्र समाज विकास "भी यहीं से प्रकाशित होता है तो उसके संपादन, आर्थिक समन्वयन का जिम्मा भी उठाया। सरकारी औपचारिकता मसलन आयकर, जीएसटी, ऑडिट आदि भी समयानुसार करना पड़ता है।

राष्ट्रीय महत्व के दिनों को पूर्ण गरिमा के साथ मनाने की पहल और कार्यकर्त्ताओं से नियमित विचार-विमर्श का सिलसिला भी जारी रहे।

आसन्न चुनाव में सम्मेलन एक नवीन विचारधारात्मक नेतृत्व के साथ सामने आए इसी उम्मीद के साथ मैं सदैव अपना समर्थन देते रहने का वादा करता हूँ।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पोलैंड के प्रवासी राजस्थानी, अमित कैलाश चंद्र लाठ को व्यवसाय एवं सामुदायिक कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया हैं।

श्रीमती मुर्मू ने लाठ को मंगलवार को मध्यप्रदेश के इंदौर में प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार समारोह में इससे सम्मानित किया। राष्ट्रपति द्वारा प्रवासी भारतीयों को विभिन्न श्रेणियों में २३ पुरस्कार दिये गए। इस अवसर पर राजस्थान सरकार की अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्याग वीनू गुप्ता और कमिश्नर राजस्थान फाउंडेशन धीरज श्रीवास्तव ने भी शिरकत की।

मर्यादा

– प्रेमलता खण्डेलवाल

मर्यादित सुख ही धर्म है। मर्यादा का उल्लंघन ही अधर्म है। प्राप्त व्यवस्था में मर्यादित जीवन यापन ही धर्म–पथ पर बढ़ना है। व्यवस्था में अवर्तमान होते हुए अप्राप्त की कामना का प्रयास कर अमर्यादित जीवन जीना ही अधर्म है। सुख के भोग में भी मर्यादा होनी आवश्यक है। बचपन में गुरुजनों की आज्ञा पालन भी मर्यादित धर्म है। जवानी में भोग-प्राप्त होने पर भी मर्यादित जीवन जीना धर्म है। बुढ़ापे में इंद्रियों को संयमित कर व्यवस्थित जीवन जीना धर्म है। शारीरिक कष्ट होने पर भी मन को नियंत्रित कर अंतर्मुखी होना भी मर्यादित धर्म है। मर्यादा का होना आजीवन आवश्यक है। जिसने मर्यादा का पालन किया–समझो वही सही अर्थो में धर्म पर चल रहा है। जो धारण किया जाना है – वहीं धर्म है। मर्यादित सुखों का उपयोग करना ही धर्म है। दूसरों का बड़ी गाड़ी या अच्छी सांसारिक भोगों की अवस्था को देखकर अपने मर्यादित जीवन में विक्षेप डालना अधर्म है अपनी निजता में मर्यादित रूप से रहना ही धर्म है। अतः मर्यादित सुख ही धर्म है।

व्यक्तित्व विकास में संयुक्त परिवार साधक

संयुक्त परिवार पारिवारिक लोगों का सामूहिक रूप से एक ही घर में मिलजुलकर रहने को कहते हैं। उसमें सहिष्णुता, प्यार, संयम, सहनशीलता, बड़ों के प्रति सम्मान, छोटे के प्रति प्यार एवं समर्पण की आवश्यकता है। यह गुण हर व्यक्ति को एक दूसरे से बांधे रखते हैं। रिश्तों की गरिमा और जानकारी भी व्यक्ति संयुक्त परिवार से ही जानता है। कर्त्तव्य एवं अधिकार के प्रति सजगता भी वहीं से मिलती है। प्रतिभावान व्यक्ति व्यक्तित्व विकास से ही बनता है और वह संयुक्त परिवार में ज्यादा संभव है। व्यक्ति का हर प्रकार से विकास होता है। शारीरिक, मानसिक, धार्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक भी। चूंकि सामूहिक परिवार में विभिन्न विचारों वाले व्यक्ति होते है अतः उनमें अलग-अलग गुण होते हैं। व्यक्ति चाहे तो सबके गुणों को ग्रहण कर बहुमुखी प्रतिभा का धनी बन सकता है। संयुक्त परिवार की इस युग में सबसे बड़ी देन है 'सुरक्षा'।

अकेले परिवार वाले हम दो और हमारे दो वाली संस्कृति के होते है। बच्चों को न बड़ों से ज्ञान मिलता है और ना ही दादा, दादी की लोरियां ओर प्यार। मम्मी, पापा के बाहर जाने पर बच्चे नौकरानी के पास के वात मलते हैं, बोतलों का दूध, बड़े होने पर उन्हें बोतल थमा देता है और दैया के संस्कार ही बचपन में उनपर पड़ते है अतः बड़े होने पर आपने साथ वे सुसंस्कृत होकर कैसे खड़े होंगे। मैंने तो यहां तक देखा है कि बच्चों को रिश्ते-नातों के बारे में नहीं पता होता और ना ही वे सामाजिक प्राणी बन पाते है। पश्चिमी संस्कृति को होड़ और टीवी का शौक न जाने इनको कौन सी दुनिया में ले जाता है – ये खुद भी नहीं जानते। मम्मी, पापा अपनी दुनिया में मस्त और बच्चे अपनी। बड़ा कोई होता ही नहीं इनको गलती पर रोकने, टोकने वाला। इन्हें रीति-रिवाज, त्यौहार बताने वाला। जो कर लिया सो कर लिया, जो नहीं किया उनकी फिक्र नहीं।

हर त्यौहार के पीछे सात्विक तत्व होते थे – यूं ही नहीं बने रीति–रेवाज। इसी तरह बिना जानकारी के संस्कृति लुप्त होती जा रही है। खाना, पीना, सोना वगैरह तो जानवर भी करते हैं। कुछ धर्म करें, सुसंस्कृत हो यह संयुक्त परिवार में ही होता है।

बड़ो को उठकर प्रणाम किया जाता है। सामूहिक आरती और सामूहिक भोजन होता है। उस समय एक दूसरे के दुःख–सुख की बातें पूछी जाती है। एक दूसरे के प्रति दायित्व प्रयोग होता है। आपसी स्नेह बढ़ता है।

मैं तो यह कहूंगी कि अगर संयुक्त परिवार में पूर्ण दायित्व निभाते हुए सन्मार्ग पर चलें तो इस प्रकार कई संयुक्त परिवार मिलकर एक स्वर्णिम भारत का निर्माण हो सकता है।

फिर न तो पाश्चात्य पद्धति हावी होगी और ना हो भ्रूण हत्या ना ही नारी का शोषण, न वृद्धाश्रम और न ही तलाक जैसे अमानवीय कार्य होंगे।

संयुक्त परिवार में रहने वाले सौभाग्यशाली होते है जो संयम से रहते हुए मानव जीवन में अध्यात्म की और अग्रसर होते हैं – और यही आत्मबल उन्हें सत्संग के लिए भी प्रेरित करता है और संतों के चरणों मे भी पहुंचा देता है ताकि मानव जीवन धन्य हो।

राजस्थान सरकार एवं राजस्थान फाउंडेशन प्रवासी मारवाड़ियों के लिए कृत संकल्पित : धीरज श्रीवास्तव

कोलकाता की प्रवासी मारवाड़ियों की संस्था अग्रबंधु, माहेश्वरी सभा एवं राजस्थान सूचना केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में राजस्थान फाउंडेशन के आयुक्त एवं राजस्थान सरकार के रेजिडेंट कमिश्नर धीरज श्रीवास्तव का प्रवासी मारवाड़ी समाज के हित में किये गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मान किया गया। यह कार्यक्रम कोलकाता के राजस्थान सूचना केंद्र सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर धीरज श्रीवास्तव ने कहा कि राजस्थान सरकार एवं राजस्थान फाउंडेशन मारवाड़ी समाज के हितों लिए सदैव कृत संकल्पित है। श्रीवास्तव ने कहा कि आप लोगों ने मुझ पर विश्वास जता कर, एक बड़ी जिम्मेदारी मेरे कंधों पर डाल दी है जिसे मैं निभाने का प्रयास करूंगा। धीरज श्रीवास्तव ने कहा कि मारवाड़ी समाज ने हर क्षेत्र में अपना परचम फहराया है। केवल उद्योग और व्यापार ही नहीं भाषा, साहित्य और कला के क्षेत्र में भी मारवाड़ी समाज ने अपना अनुपम योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि आप लोगों ने अपने घरों में राजस्थानी संस्कृति को जिन्दा रखा है यह काबिले तारीफ है। उन्होंने कोलकाता में आयोजित होने वाले राजस्थानी संस्कृति से जुड़े कार्यक्रमों की सराहना की और आश्वस्त किया कि राजस्थान फाउण्डेशन ऐसे आयोजनों में सदैव आपके साथ रहेगा। इस अभिनंदन समारोह के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने राजस्थान फाउंडेशन के कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अग्रबंधु एवं गंगा मिशन के अध्यक्ष प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी प्रह्लाद राय गोयनका ने कहा कि हम राजस्थान सरकार के हरेक कार्यों में कदम से कदम एवं कंधे से कंधा मिलाकर साथ चलने के लिए सदैव आगे रहे है। इस गरिमामय समारोह के बतौर विशिष्ट अतिथि माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष श्री बुलाकी दास मीमानी ने कहा कि श्री धीरज श्रीवास्तव जैसे व्यक्तित्व का अभिनंदन करके महानगर कोलकाता की संपूर्ण मारवाड़ी समाज गौरवान्वित हुआ है, सभी आगंतुक महानुभावों के स्वागत अग्रबंधु के सचिव एवं लोक-संस्कृति के अध्यक्ष श्री संदीप गर्ग ने किया इस कार्यक्रम का सफल संयोजन एवं संचालन राजस्थान सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक, राजस्थान सूचना केंद्र कोलकाता के प्रभारी हिंगलाज दान रतनू ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन अजीत बचछावत ने किया। समारोह में पवन जालान, ओमप्रकाश चांडक, सर्वेश्वर सिंह चारण, श्रीमति निर्मला गोयनका, श्रीमति कुसुम जी, संजय बिनानी, बलदेव पुरोहित, संदीप डागा, केशव भट्टड़, मीडिया जगत से सीताराम अग्रवाल, अनिरुद्ध पाल, पवन शर्मा, संतोष शर्मा तथा महानगर की उद्योग, कला, साहित्य, संस्कृति, समाजसेवा जगत की सैकड़ों हस्तियां उपस्थित थी। इस शुभ अवसर पर श्री धीरज श्रीवास्तव को शॉल, साफा, श्रीफल, मोंमेंटो, बुके व माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया।

बधाई

हमारे लिए गर्व की बात है कि हमारी नई पीढ़ी शिक्षा के क्षेत्र में भी समाज का नाम रौशन कर रही है, पिछले दो वर्ष से लगातार अपने समाज की बच्चियाँ CA. final में पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त कर समाज का मान बढ़ाया। इस वर्ष CA. Intermediate में first, second and third तीनों स्थान पर अपने समाज के बच्चों ने परचम लहराया है।

बहुत बहुत बधाई एवं सुनहरे भविष्य हेतु मंगल कामनाएँ।

Diksha Goyal
Karnal

Tulika Shrawan Jalan, Mumbai

Saksham Jain
Jaipur

सी.ए. फाइनल में भी प्रथम चार बच्चों में तीन अपने समाज के होनहार है। शानदार सफलता हेतु अखिल भारत वर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से तीनों बच्चो के अभिभावकों को बहुत बहुत बधाई एवं बच्चों को सुनहरे भविष्य हेतु मंगल कामनाएँ एवं आशीर्वाद।

Harsh Choudhary
New Delhi

Shikha Jain
Indore

Mansi Agarwal
New Delhi

शताधिक संस्थाओं ने दी पं. केशरीनाथ त्रिपाठी को श्रद्धांजलि

"तुम गये हो याद कितनी छोड़ कर"

"पूर्व राज्यपाल केशरीनाथ त्रिपाठी ने अपनी सहजता, आत्मीयता एवं सर्व सुलभता से वृहत्तर कोलकाता के व्यापक समाज से नाता जोड़ा। उनके स्नेह-सद्भाव की सुरभि ने राजभवन और जनता की दूरी कम की उनके प्रति श्रद्धाज्ञापन हेतु उपस्थित शताधिक संस्थाएं इसका प्रमाण है। उन्हीं के गीत की दो पंक्तियां याद आ रही है – "तुम गये हो याद कितनी छोड़ कर, नेह की शब्दावली को जोड़ कर। ये उद्गार है डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी के जो स्थानीय रथीन्द्र मंच में श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय के तत्वावधान में सौ से भी अधिक संस्थओं द्वारा आयोजित सार्वजनिक स्मरण सभा में दिवंगत पं. केशरीनाथ त्रिपाठी को श्रद्धांजलि दे रहे थे।

उन्होंने कुमारसभा पुस्तकालय के साथ त्रिपाठी जी के आत्मीय संबधों का भी स्मरण किया।

समारोह के अध्यक्ष प्रख्यात समाजसेवी श्री सज्जन कुमार बंसल ने कहा कि पंडित केशरीनाथ त्रिपाठी जी परम गो भक्त थे एवं उनका सानिध्य हमें सदैव प्रेरित करता रहेगा।

प्रख्यात समाजसेवी श्री राजेन्द्र खंडेलवाल ने पंडित जी को याद करते हुए कहा कि आज मेरे शब्द गौण हो गए है। वर्धा से पधारे उनके स्नेहभाजन श्री प्रकाश त्रिपाठी जी ने कहा कि पंडित जी को स्वर्गीय कहने में अजीब लग रहा है। प्रख्यात पत्रकार श्री विश्वंभर नेवर ने कहा पंडित जी सच्चे इंसान थे एवं मानवीयता के पक्षधर थे।

प्रारंभ में "हे राम...., भजन प्रस्तुत किया सुप्रसिद्ध गायक श्री सत्यनारायण त्रिपाठी ने। इस अवसर पर लोकप्रिय गायक श्री ओम प्रकाश मिश्र ने स्व. त्रिपाठी द्वारा रचित दो कविताओं की सांगितिक प्रस्तुति दी तथा प्रख्यात साहित्यकार डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र के संवेदना संदेश का वाचन किया डॉ. राजश्री शुक्ला ने।

कार्यक्रम का कुशल संचालन किया विशिष्ट साहित्यकार डॉ. तारा दूगड़ एवं श्री महावीर प्रसाद रावत ने। शोक प्रस्ताव का वाधन किया श्रीमती दुर्गा व्यास ने। कार्यक्रम के अंत में दिवंगत आत्मा की सद्गति हेतु एक मिनट का मौन पालन किया गया।

कोलकाता एवं हावड़ा महानगर की शताधिक सामाजिक-शैक्षणिक-सांस्कृतिक-साहित्यिक-आध्यात्मिक विशिष्ट संस्थाओं के पदाधिकारियों ने स्व. त्रिपाठी को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए, यथा – श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय, मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी, श्री विशुद्धानन्द अस्पताल, कलकाता पिंजरापोल सोसाइटी, बड़ाबाजार लाउब्रेरी, राजस्थान परिषद, वनबंधु परिषद, पूर्वांचल कल्याण आश्रम, सेठ सूरजमल जालान पुस्तकालय, काशी प्रयाग बंग परिषद, मातृमंगल प्रतिष्ठान, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, पारीक सभा, राजस्थान ब्राह्मण संघ, परिवार मिलन, विप्र फाउन्डेशन, बिश्व हिन्दू परिषद, परचम माहेश्वरी सभा, महर्षि दधिचि सेवा ट्रस्ट, राम शरद कोठारी स्मृति सघ, कलकता वस्त्रव्यवसायी समिति, श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन सभा, कलकता कान्यकुब्ज वैश्य सभा क्षत्रिय चेतना मंच कलकता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा, शब्दाक्षर में नहीं हम, आयुर्वेद प्रचारिणी सभा, संस्कृति प्रचार समिति प्रभृति।

सर्वश्री पं. लक्ष्मीकान्त तिवारी, महावीर बजाज, बंशीधर शर्मा, राजकुमार बोथरा, आचार्य राकेश पाण्डेय, पार्षद राजेश सिन्हा, सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल, संजय हरलालका, सीमा रस्तोगी, विनय दूबे, राजीव सिन्हा, गोविन्दराम अग्रवाल, मुकुन्द राठी, महेन्द्र कुमार शर्मा, सागरमल गुप्ता, बुलाकीदास मीमाणी, राजेन्द्र कानूनगो, संजय बिनानी, भागीरथ चांडक, नन्दकुमार लढा, अरुण प्रकाश मल्लावत, अशोक गुप्ता, अविनाश कुमार गुप्ता, भंवरलाल राठी, आनन्द जैन, महेश भुवालका, रमेश सोनकर, रविप्रताप सिंह, वैद्य राधेश्याम श्रीवास्तव, राजेश नागौरी, जगतसिंह बैद, मानव सराफ, सच्चिदानन्द पारीक, प्रभुदयाल केशान, चन्द्रकान्त सराफ, संजय मंडल, राजेश अग्रवाल लाला, विष्णुप्रसाद मित्तल, सत्यप्रकाश राय, मनोज काकड़ा, रामचन्द्र अग्रवाल प्रभृति गणमान्य लोगों को उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

चित्र विवरण : श्रद्धांजलि वक्तव्य रखते हुए डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी। अन्य मंचस्थ है बांये से डॉ. तारा दुगड़, महावीर बजाज, सजन बंसल, लक्ष्मीकान्त तिवारी, राजेन्द्र खण्डेलवाल, प्रकाश त्रिपाठी एवं बिश्वंभर नेवर।

– महावीर प्रसाद बजाज, अध्यक्ष

देव-स्तुति

[गतांक से आगे]

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

त्वमेकः सर्वभूतानां देहास्वात्मेन्दियेश्वरः।
त्वमेव कालो भगवान्विष्णुरव्यय ईश्वरः।।
त्वं महान्प्रकृतिः सूक्ष्मा रजःसत्त्वतमोमयी।
त्वमेव पुरुषोऽध्यक्षः सर्वक्षेत्रविकारवित्।।

आप प्रत्येक वस्तु के परम नियन्ता भगवान् हैं। आप ही प्रत्येक जीव का शरीर, प्राण, अहंकार तथा इन्द्रियाँ हैं। आप परम पुरुष, अक्षय नियन्ता विष्णु हैं। आप काल, तात्कालिक कारण और तीन गुँणों–सतो, रजो तथा तमो गुणों–वाली भौतिक प्रकृति हैं। आप इस भौतिक जगत के आदि कारण हैं। आप परमात्मा हैं। अत एव आप प्रत्येक जीव के हृदय की बात को जानने वाले हैं।

तस्मै तुभ्यं भगवते वासुदेवाय वेधसे।
आत्मद्योतगुणैश्छन्नमहिम्ने ब्रह्मणे नमः।।

अपनी ही शक्ति से आच्छादित महिमा वाले हे प्रभु, आप भगवान् हैं। आप सृष्टि के उद्गम, संकर्षण हैं तथा चतुर्व्यूह के उद्गम, वासुदेव हैं। आप सर्वस्व होने से परब्रह्म हैं। अतएव हम आपको सादर नमस्कार करते हैं।

नमः परमकल्याण नमः परममङ्गल।
वासुदेवाय शान्ताय यदूनां पतये नमः।।

हे परम कल्याण, हम आपको सादर नमस्कार करते हैं क्योंकि आप परम शुभ हैं। हे यदुवंश के प्रसिद्ध वंशज तथा नियन्ता, हे वसुदेव–पुत्र, हे परम शान्त, हम आपके चरणकमलों में सादर नमस्कार करते हैं।

वाणी गुणानुकथने श्रवणौ कथायां
हस्तौ च कर्मसु मनस्तव पादयोर्नः।
स्मृत्यां शिरस्तव निवासजगत्प्रणामे
दृष्टिः सतां दर्शनेऽस्तु भवत्तनूनाम्।

अव से हमारे समस्त शब्द आपकी लीलाओं का वर्णन करें, हमारे कान आपकी महिमा का श्रवण करें, हमारे हाथ, पाँव तथा अन्य इन्द्रियाँ आपकी प्रसन्न करने के कार्यों में लगें तथा हमारे मन सर्वदा आपके चरणकमलों का चिन्तन करें। हमारे सिर इस संसार की प्रत्येक वस्तु को नमस्कार करें क्योंकि समस्त वस्तुएँ आपके ही भिन्न-भिन्न रूप हैं और हमारी आँखें आपसे अभिन्न वैष्णवों के रूपों का दर्शन करें।

श्रुतिमपरे स्मृतिमितरे
भारतमन्ये भजन्तु भवभीतः।
अहमिह नन्दं वन्दे
यस्यालिन्दे परं ब्रह्म।।

भौतिक संसार से डर कर कोई भले ही वेदों, स्तुतियों तथा महाभारत का अध्ययन करे किन्तु मैं तो उन नन्द महाराज की पूजा करूँगा जिनके आँगन में परब्रह्म रेंग रहे हैं। नन्द महाराज इतने महान् हैं कि उनके आँगन में परब्रह्म रेग रहे हैं अतएव मैं उनकी पूजा करूँगा।

श्रीब्रह्मोवाच

नौमीडय तेऽभ्रवपुषे तडिदम्बराय
गुञ्जावतंसपरिपिच्छलस्मुखाय।
वन्यस्त्रजे कवलवेत्रविषाणवेणु–
लक्ष्मश्रिये मृदुपदे पशुपाङ्गजाय।।

हे प्रभु, आप ही एकमात्र पूज्य भगवान् हैं अतएव आपको प्रसन्न करने के लिए आपको सादर नमस्कार करता हूँ और आपकी स्तुति करता हूँ। हे ग्वालनरेश पुत्र, आपका दिव्य शरीर बादलों के तरह गहरा नीला है; आपके वस्त्र बिजली के सदृश देदीप्यान हैं और गुञ्जा के बने आपके कुण्डलों से तथा सिर पर लगे मोरपंख से आपके मुखमंडल का शोभा बढ़ जाता है। अनेक वन-फूलों और पत्तियों की माला पहने तथा चराने की छड़ी, भैंस के सींग से बना बिगुल तथा दिव्य बाँसुरी से सज्जित आप अपने हाथ में भोजन का कौर लिए हुए आपके मुलायम पाँव के द्वारा सुन्दर रीति से खड़े हुए हैं।

तत्तेऽनुकम्पां सुसमीक्षमाणो
भुञ्जान एवात्मकृतं विपाकम्।
हृद्वाग्वपुर्भिर्विदधन्नमस्ते
जीवेत यो मुक्तिपदे स दायभाक्।।

हे प्रभु, जो मनुष्य अपने द्वारा किया गया दुष्कर्मों के फलों को धैर्यपूर्वक सहन करते हुए तथा अपने मन, वाणी और शरीर से आपको नमस्कार करते हुए सत्यनिष्ठा से आपको अहैतुकी कृपा प्रदान किये जाने की प्रतीक्षा करता है, वह निश्चिय ही मोक्ष का भागी होता है क्योंकि यह उसका अधिकार बन जाता है।

अतः क्षमस्वाच्युत मे रजोभुवो
ह्यजानतस्त्वत्पृथगीशमानिनः।
अजावलेपान्धतमोऽन्धचक्षुष
एषोऽनुकम्प्यो मयि नाथवानिति।।

अतएव हे अच्युत भगवान्, मेरे अपराधों को क्षमा कर दें। मैं रजोगुण से उत्पन्न हुआ हूँ तथा स्वयं को आपसे पृथक् नियन्ता मानने के कारण मैं निरा मूर्ख हूँ। अज्ञान रूपी अंधकार से मेरी आँखें अंधी हो चुकी हैं जिसके कारण मै अपने को ब्रह्मांड का अजन्मा स्रष्टा समझ रहा हूँ।

PARIWAR®

SINCE-1973

FAMILY GARMENT DESIGNERS

ETHNIC WEAR ✤ FORMAL WEAR ✤ INDO WESTERNS
DESIGNER FABRICS ✤ BESPOKE TAILORING
CUSTOMIZATION ✤ ACCESSORIES

KALAKAR STREET (POST OFFICE) KOLKATA - 700007
11B KALAKAR STREET (POST OFFICE BUILDING)
Ph.: 8017061111
P/4 KALAKAR STREET (OPP POST OFFICE)
Ph.: 8444066566 / 9007320700 / 033 40011135 / 8017061111

www.pariwarfashions.com / E-mail : pariwarfashion@gmail.com

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

Regd. & Corporate Office:

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

Overseas Office at:

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

Plants at:

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2021-2023
Date of Publication - 28th January 2023
RNI Regd. No. 2866/1968

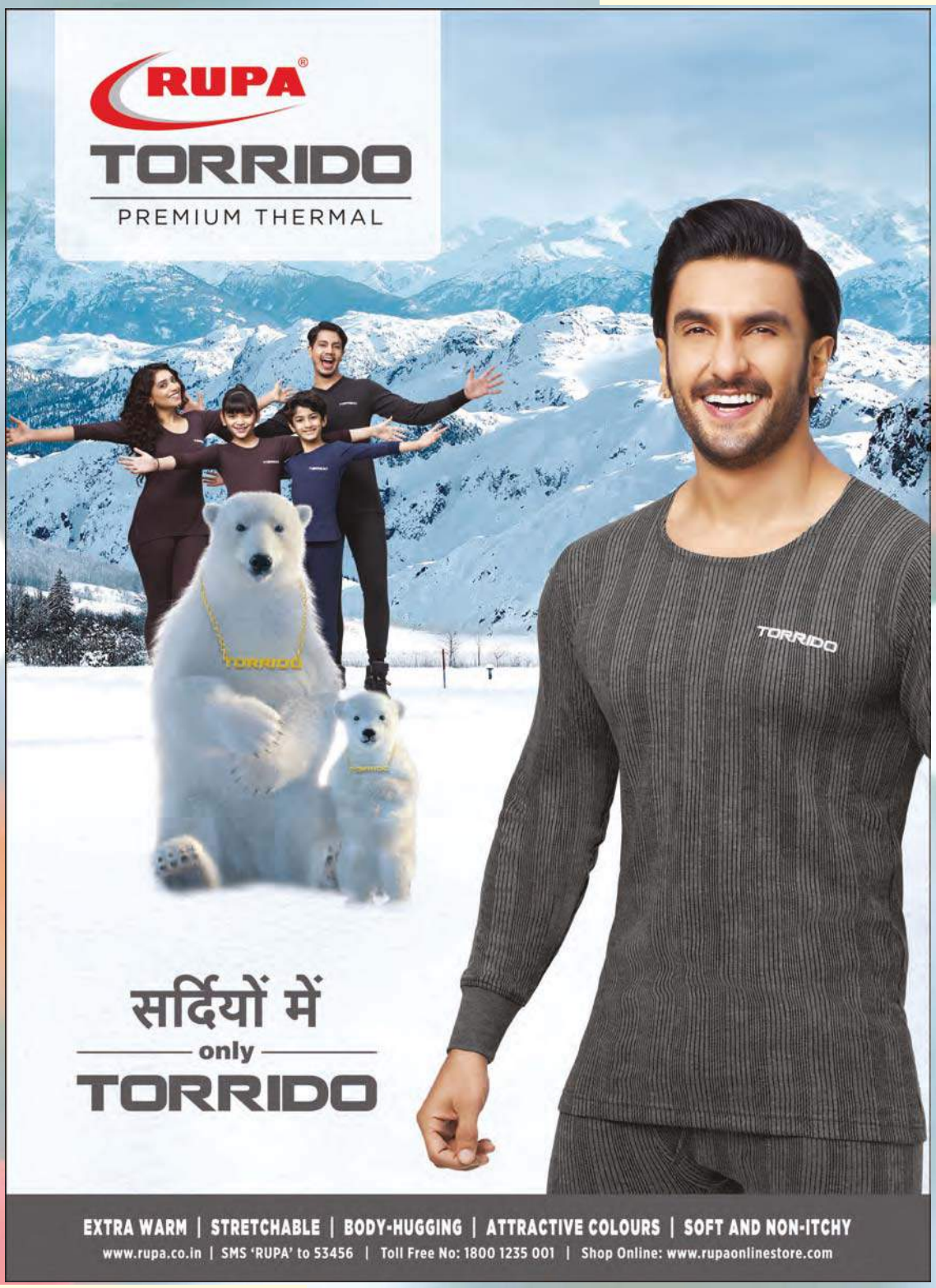

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com